मार्गशीर्ष कृष्ण - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 120 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 25-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कभी दावा नहीं किया कि भाजपा जीतेगी झारखंड चुनाव : हिमंत

6 तेजी से बढ़ रहा है राष्ट्रीय पार्टियों का दबदबा

7 विवेक अग्निहोत्री ने दिखाई 'द दिल्ली फाइल्स' की झलक

फर्स्ट टेक

ब्रिटेन में पिछले सप्ताह तीन सैन्य ठिकानों के पास ड्रोन देखे गए : अमेरिकी वायुसेना

लंदन/एपी। अमेरिकी वायुसेना ने कहा कि पिछले सप्ताह पूर्वी इंग्लैंड में स्थित वायु सेना के उन तीन ठिकानों के आसपास कई छोटे ड्रोन देखे गए जिनका इस्तेमाल अमेरिकी सेना करती है। अमेरिकी वायुसेना यूरोप ने एक बयान में कहा कि बुधवार और शुक्रवार के बीच आरएएफ लेकेनहीथ, आरएएफ मिल्डेनहॉल और औरएएफ फेल्टवेल के पास ड्रोन देखे गए। इसमें कहा गया है कि तीनों सैन्य ठिकानों के आसपास और ऊपर ड्रोन देखे जाने के बाद उन पर सक्रिय रूप से नजर रखी गई। वायुसेना ने हालांकि, यह नहीं बताया कि घुसपैठ के पीछे कौन था, लेकिन कहा कि वायुसेना अड्डे के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि इससे यहां के लोगों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

इजराइल के हमले में लेबनान के सैनिक की मौत, 18 घायल

बेरूत/एपी। इजराइल के हमले में रविवार को लेबनान के एक सैनिक की मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गए। लेबानान की सेना ने यह जानकारी दी। इस बीच, हिज्बुल्ला ने उत्तरी और मध्य इजराइल पर रॉकेट दागे, जिसमें कम से कम पांच लोग घायल हो गए। इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइली हमलों में 40 से अधिक लेबनानी सैनिकों की मौत हो चुकी है। हालांकि लेबनान की सेना इस युद्ध से मौटे तौर पर दूर रही है। इजराइली सेना की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले लेबनानी सैनिकों पर हुए हमलों को इजराइली सेना ने गलती से हुए हमले करार दिया था। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने हमले की निंदा करते हुए इसे अमेरिका के नेतृत्व में हो रहे संघर्ष विराम प्रयासों पर हमला बताया।

यूएई में लापता हुए रब्बी की हत्या की गई : इजराइल

तेल अवीव (इजराइल)/एपी। इजराइल ने रविवार को कहा कि कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में लापता हुए एक इजराइली-मोल्दोवी रब्बी (धर्मगुरू) की हत्या कर दी गई है और उनका शव बरामद किया जा चुका है। इजराइल ने इस घटना को यहूदी विरोधी जघन्य आतंकवादी घटना करार दिया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजराइल रब्बी की मौत के लिए जिम्मेदारी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। दुबई में एक दुकान के मालिक अति-रूढ़िवादी रब्बी ज्वी कोगान बृहस्पतिवार को लापता हो गए थे। साल 2020 में अब्राहम समझौता होने के माध्यम से इजराइल और यूएई के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से इजराइली व्यापार और पर्यटन के लिए दुबई का रुख कर रहे हैं।

25-11-2024 सूर्यास्त 5:39 बजे | 26-11-2024 सूर्योदय 6:12 बजे

BSE	NSE
79,117.11 (+1,961.32)	23,907.25 (+557.35)

सोना	चांदी
8,200 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	101,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महाबली भारत

ड्रेगन छोड़ रहा है जल कर,
श्वांसे अपनी जहरीली।
भौंक रहा इक गंदा पिल्ला,
जिसकी फ़ितरत सड़ी गली।
कांव-कांव करते कुछ कौवे,
जंगल-जंगल बात चली।
अमरीका है महाशक्ति तो,
भारत भी है महाबली।।

देश के भूले गौरव को पुनर्स्थापित करने की जरूरत : भागवत

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत के भूले गौरव को फिर से स्थापित किया जाना चाहिए।

यहां 'राष्ट्रवादी विचारकों' के सम्मेलन लोकमंथन-2024 में बोलते हुए भागवत ने देश के दार्शनिक ज्ञान से समर्थित विज्ञान के महत्व के बारे में बात करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग में नैतिकता पर जोर देने वाले वैज्ञानिकों का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा कि भारत की मूल्य प्रणाली व्यक्ति की बुद्धिमत्ता पर जोर देती है और मुद्दों के प्रति भारत के दृष्टिकोण में तर्क और बुद्धिमत्ता शामिल है। उन्होंने कहा कि देश को समस्याओं के प्रति अन्य दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता नहीं है। भारत विदेशों से अच्छी चीजें ले सकता है लेकिन उसकी अपनी आत्मा और संरचना होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें अपने सनातन धर्म और संस्कृति को समसामयिक स्वरूप देने पर विचार करना होगा।'' भागवत ने कहा, ''हमें जो करना है वह यह है कि हमें भारत के भूले हुए गौरव को फिर से स्थापित करना है।''

- भारत विदेशों से अच्छी चीजें ले सकता है लेकिन उसकी अपनी आत्मा और संरचना होनी चाहिए।
- हमें अपने सनातन धर्म और संस्कृति को समसामयिक स्वरूप देने पर विचार करना होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने धर्मग्रंथों का उदाहरण देते हुए कहा कि वनवासियों के साथ कभी कोई भेदभाव नहीं था।

पूर्वी राज्यों को देश के विकास के इंजन के रूप में देखता हूं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार भारत के पूर्वी क्षेत्र को देश का विकास इंजन मानती है, जबकि पहले इस क्षेत्र को पिछड़ा माना जाता था। यहां 'ओडिशा पर्व' कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में नई सरकार के गठन के 100 दिनों के भीतर 45,000 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कहा, ओडिशा हमेशा से ही संतों और विद्वानों की भूमि रही है। जिस तरह से यहां के विद्वानों ने हमारे धार्मिक ग्रंथों को घर-घर तक पहुंचाया और लोगों को उनसे जोड़ा, उसने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा, एक समय था जब भारत के पूर्वी क्षेत्र और वहां के राज्यों को पिछड़ा कहा जाता था। हालांकि, मैं भारत के पूर्वी क्षेत्र को देश के विकास का इंजन मानता हूं। इसीलिए हमने भारत के पूर्वी क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी है।

मोदी ने कहा, अब हम ओडिशा को जो बजट आवंटित कर रहे हैं, वह 10 साल पहले की तुलना में तीन गुना अधिक है। हम ओडिशा के विकास के लिए हर क्षेत्र में तेजी से काम कर रहे हैं और इस वर्ष बजट में 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ओडिशा में कारोबार को आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के 100 दिनों के भीतर 45,000 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, पिछले साल जी20 शिखर सम्मेलन भारत में आयोजित किया गया था। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हमने सूर्य मंदिर (कोणार्क में) की तस्वीर दिखाई थी। मुझे इस बात की भी खुशी है कि जगन्नाथ मंदिर (पुरी में) के सभी चार दरवाजे अब खुल गए हैं। इसके अलावा मंदिर का रत्न भंडार भी खुला है।

ओडिशा पर्व उड़िया समाज द्वारा आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो दिल्ली स्थित एक न्यास है जो उड़िया विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए बहुमूल्य समर्थन प्रदान करने में लगा हुआ है।

इस वर्ष, ओडिशा की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने, रंगारंग सांस्कृतिक रूपों को प्रदर्शित करने और राज्य के जीवंत सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक लोकाचार को प्रदर्शित करने के लिए 22 नवंबर से 24 नवंबर तक ओडिशा पर्व का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि ओडिशा में काजू, जूट, कपास, हल्दी और तिलहन का प्रचुर उत्पादन होता है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि ये उत्पाद बड़े बाजारों तक पहुंचें और इससे किसानों को लाभ मिले।

संभल में मस्जिद सर्वेक्षण के खिलाफ पथराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल की जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर रविवार को किये जा रहे सर्वेक्षण का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए और इस दौरान तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। घटना में उपजिलाधिकारी और पुलिस क्षेत्राधिकारी समेत 20 लोग जख्मी भी हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने वाहनों को जलाने की कोशिश की और पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया।

एक अधिकारी ने कहा, ''उपद्रवियों ने गोलियां चलाईं और कुछ छर्रे हमारे पुलिसकर्मियों को लगे। हम वहां जांच कर रहे हैं जहां गोलियां चलायी गईं, खासकर दीपा सराय इलाके में।''

अधिकारियों ने बताया कि हिंसा के बाद व्याप्त तनाव को देखते हुए संभल तहसील में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं तथा 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूल सोमवार को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

एक स्थानीय अदालत के आदेश पर गत मंगलवार को जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था जिसके बाद से संभल में पिछले कुछ दिनों से तनाव व्याप्त है। दरअसल स्थानीय अदालत में एक याचिका दाखिल करके दावा किया गया है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद है, वहां पहले हरिहर मंदिर था।

मुरादाबाद मंडल के आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने संभल में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इस मामले में उपद्रवियों के दो तीन समूह थे जो लगातार गोलीबारी कर रहे थे तथा पुलिस प्रशासन ने सर्वेक्षण करने आई टीम को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला। सिंह ने बताया कि इस हिंसा में 20 से 25 वर्ष के बीच की उम्र के तीन लोगों की मौत हुई है।

- उपद्रवियों के दो तीन समूह थे जो लगातार गोलीबारी कर रहे थे और कुछ छर्रे पुलिसकर्मियों को लगे।
- स्थानीय अदालत में एक याचिका दाखिल करके दावा किया गया है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद है, वहां पहले हरिहर मंदिर था।
- एक स्थानीय अदालत के आदेश पर गत मंगलवार को जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था जिसके बाद से संभल में पिछले कुछ दिनों से तनाव व्याप्त है।

धर्म परिवर्तन रोकना हर जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी : अदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि समाज में कुछ ऐसे लोग हैं जो 'गुप्त रूप से राष्ट्र विरोधी धर्म परिवर्तन' कर रहे हैं जिसे खत्म करना न सिर्फ सरकार या किसी संगठन बल्कि हर जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी है।

आदित्यनाथ ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के तीन दिवसीय 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए 'धर्म परिवर्तन' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, हमारे बीच ऐसे लोग हैं जो गुप्त रूप से राष्ट्र विरोधी धर्म परिवर्तन कर रहे हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, इसे खत्म करना न केवल सरकार या किसी संगठन की जिम्मेदारी है, बल्कि हर जागरूक नागरिक की भी है। उन्होंने बताया कि साल 2019 में एक मंदिर में संत की हत्या की साजिश रचने के आरोप में दो युवकों की गिरफ्तारी के बाद गहन जांच में पता चला कि उनके दिल्ली के बटला हाउस से जुड़े एक धार्मिक उपदेशक से संबंध थे।

आदित्यनाथ के मुताबिक, आगे की जांच में पता चला कि उनके पूर्वजों ने तीन पीढ़ी पहले इस्लाम धर्म अपना लिया था।

इटली को साझेदार, अहम भागीदार देश मानता हैं भारत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोम/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत इटली को एक प्रमुख साझेदार, यूरोप में एक महत्वपूर्ण सहयोगी और भूमध्य सागर में एक बहुत प्रभावशाली देश के रूप में देखता है। उन्होंने यह टिप्पणी यहां रोम में भारतीय दूतावास के नए कार्यालय का उद्घाटन करने के अवसर पर की।

जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा पर रविवार को यहां पहुंचे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर निरंतर संवाद उनके द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और व्यापकता का संकेत है।

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''आज रोम में भारतीय दूतावास के नए कार्यालय का उद्घाटन करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह हाल के वर्षों में भारत-इटली साझेदारी के निरंतर विस्तार के अनुरूप है। इससे हमें इटली में भारतीय समुदाय की बेहतर सेवा करने में भी मदद मिलेगी।''

जयशंकर ने इस अवसर पर कहा कि भारत, इटली को एक प्रमुख साझेदार मानता है, जो यूरोप में बहुत महत्वपूर्ण है तथा भूमध्य सागर में बहुत प्रभावशाली है। उन्होंने कहा, ''आज हम विभिन्न स्तरों पर जो निरंतर संवाद देख रहे हैं, वह इटली के साथ हमारे संबंधों की गहराई और व्यापकता का संकेत है। यह हमारे संबंधों को आगे बढ़ाने में हमारे नेताओं की प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता का भी प्रतिबिंब है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे विश्व दृष्टिकोण में समानता है, वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान के लिए हमारे प्रयासों में तालमेल है तथा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने के लिए एक नया उत्साह है।''

- हमारे विश्व दृष्टिकोण में समानता है, वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान के लिए हमारे प्रयासों में तालमेल है तथा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने के लिए एक नया उत्साह है।

आईपीएल नीलामी में रिकॉर्ड दाम पर बिके पंत और अय्यर, वेंकटेश को अप्रत्याशित दाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जेद्दा (सउदी अरब)/भाषा। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत केकेआर को इस साल खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर को पछाड़कर इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए जिन्हें लखनऊ सुपर जाइंट्स ने यहां रविवार को मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए में खरीदा लेकिन वेंकटेश अय्यर पर अप्रत्याशित तौर काफी बड़ी बोली लगी।

कोलकाता नाइट राइडर्स को इस साल आईपीएल खिताब दिलाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर 26 करोड़ 75 लाख रुपए में पंजाब किंग्स से जुड़े। वहीं पंत के लिये सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ के बीच जमकर होड़ लगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले 20 करोड़ 75 लाख रुपए पर 'राइट टू मैच' का इस्तेमाल किया लेकिन लखनऊ ने आखिरी बोली 27 करोड़ रुपए की लगाई तो दिल्ली टीम पीछे हट गई। केकेआर का हिस्सा रहे वेंकटेश को उसी टीम ने 23 करोड़ 75 लाख रुपए में फिर खरीदा। केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में उनके लिये होड़ लगी थी। वहीं श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26 करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब के बीच अय्यर को लेकर काफी समय तक होड़ रही लेकिन आखिर में पंजाब ने बाजी मारी। अय्यर ने आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा था जिन्हें पिछली नीलामी में केकेआर ने 24 करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा था। स्टार्क को 11 करोड़ 75 लाख में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। अय्यर और पंत दोनों ने पिछले कुछ साल में विषम परिस्थितियों का सामना किया लेकिन जबर्दस्त साहस का परिचय देते हुए वापसी की। पंत दिसंबर 2022 में भयावह कार दुर्घटना के बाद सफल वापसी करने में कामयाब रहे।

ऋषभ पंत	श्रेयस अय्यर	अर्शदीप सिंह	जोस बटलर	लोकेश राहुल	मिचेल स्टार्क
लखनऊ सुपर जायंट्स	पंजाब किंग्स	पंजाब किंग्स	गुजरात टाइटंस	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली कैपिटल्स
27 करोड़	26.75 करोड़	18 करोड़	15.75 करोड़	14 करोड़	11.75 करोड़
कैगिसो रबाडा	मोहम्मद शमी	डेविड मिलर	युजवेंद्र चहल	मोहम्मद सिराज	एल. लिविंगस्टोन
गुजरात टाइटंस	सनराइजर्स हैदराबाद	लखनऊ सुपर जायंट्स	पंजाब किंग्स	गुजरात टाइटंस	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10.75 करोड़	10 करोड़	7.50 करोड़	18 करोड़	12.25 करोड़	8.75 करोड़

महायुति के नेता, भाजपा का संसदीय बोर्ड तय करेगा कि महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा : बावनकुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता और भाजपा का नेतृत्व यह तय करेगा कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। बावनकुले ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने कांग्रेस को खारिज कर दिया है और इसकी प्रदेश इकाई के प्रमुख नाना पटोले महज 208 मतों के अंतर से चुनाव जीते हैं।

महाराष्ट्र में 288-सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। चुनाव परिणाम शनिवार को घोषित किए गए। महायुति गठबंधन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल हैं। विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन सिर्फ 46 सीट ही जीत सका। एमवीए में कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) शामिल हैं। भाजपा को 132 सीट मिलीं, शिवसेना को 57, जबकि राकांपा को 41 सीट मिलीं। एमवीए में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 सीट जीतीं, कांग्रेस ने 16 सीट जीतीं, जबकि शिवसेना (उबाठा) ने 20 सीट पर जीत दर्ज की।

बावनकुले ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में समाज के सभी वर्गों ने भाजपा का समर्थन किया।

राज्य के अगले मुख्यमंत्री को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, इस संबंध में निर्णय महायुति के नेताओं और भाजपा संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया गठबंधन की शासन योजना के अनुरूप होगी। बावनकुले ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने कांग्रेस को ''खारिज'' कर दिया है। उन्होंने कहा कि पटोले को अपने कुछ सहयोगियों की बात पर ध्यान देना चाहिए, जो प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के पद से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं।

भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने उठाए, संसद सत्र से पहले

अदाणी पर अमेरिकी अभियोग के समय को लेकर सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिका द्वारा अभियोग चलाए जाने के समय पर रविवार को सवाल खड़े किए और तर्क दिया कि अन्य देशों द्वारा इस तरह के आरोप संसद सत्र शुरू होने से ठीक पहले क्यों लगाए जा रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में 'साहित्य आजतक' के समापन अवसर पर ''आरएसएस के 100 साल'' सत्र को संबोधित कर रहे थे।

त्रिवेदी ने कहा, पिछले तीन-चार वर्षों से, जब भी संसद सत्र शुरू होने वाला होता है, ऐसे आरोप सामने आते हैं, चाहे वह हिंडनबर्ग रिपोर्ट हो, बीबीसी रिपोर्ट हो, ग्रेट थनबर्ग रिपोर्ट हो या अब यह (अमेरिकी अभियोग)। विदेशों से आने वाले ऐसे आरोपों पर सभी को आपत्ति करनी चाहिए। आदर्श रूप से, हमें कहना चाहिए कि हम अपनी कानूनी प्रणाली के अनुसार काम करेंगे, न कि उनकी।

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होगा और 20 दिसंबर तक चलेगा। गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 2,200 करोड़ रुपए) से अधिक की रिश्वत देने की साजिश का हिस्सा होने का आरोप लगाया है। अदाणी समूह ने बृहस्पतिवार को इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि अमेरिकी अभियोजकों के आरोप निराधार हैं और समूह सभी कानूनों का अनुपालन कर रहा है। अभियोग का हवाला देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि जुलाई 2021 से फरवरी 2022 के बीच जिन राज्यों में अदाणी समूह द्वारा सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर रिश्वत दी गई, उनमें ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश शामिल थे, जहां उस समय कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों का शासन था।

उन्होंने कहा, अगर आपको लगता है कि ये आरोप सच हैं, तो उस समय राज्यों में शासन करने वालों को इस्तीफा दे देना चाहिए।

अपने चाचा की छाया से बाहर निकले अजित पवार, बारामती में पकड़ बरकरार रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने राजनीतिक जीवन के अंत की भविष्यवाणियों को गलत साबित करते हुए विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को शानदार जीत दिलाकर और मतों के भारी अंतर से अपनी सीट बरकरार रखकर महायुति में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

राकांपा संस्थापक शरद पवार के खिलाफ बगावत करने के एक साल से अधिक समय बाद वह अब अपने चाचा की छाया से बाहर आ गए हैं और उन्होंने राज्य की राजनीति में अपनी जगह मजबूत कर ली है। विभिन्न सरकारों में कई बार उपमुख्यमंत्री रह चुके 65 वर्षीय अजित पवार की मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा छिपी नहीं है लेकिन उनका यह सपना अब भी अधूरा है।

अजित पवार ने इस वर्ष के शुरू में जब लोकसभा चुनाव में अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ बारामती से चुनाव मैदान में उतारा तो उनकी राजनीतिक सूझबूझ पर संदेह पैदा हो गया था। सुप्रिया सुले राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार की बेटी हैं। सुनेत्रा पवार चुनाव हार गईं और बाद में अजित पवार को उन्हें मैदान में उतारने पर अफसोस हुआ। बहरहाल, शरद पवार द्वारा अजित के खिलाफ आक्रामक प्रचार किए जाने के बावजूद राकांपा प्रमुख ने अब पारिवारिक गढ़ बारामती विधानसभा क्षेत्र पर अपनी पकड़ बरकरार रखी है। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनावों के परिणामों के अनुसार, अजित पवार की पार्टी ने 59 सीट पर चुनाव लड़कर 41 सीट जीतीं और 9.01 प्रतिशत मत प्रतिशत हासिल किए। यह 2024 के लोकसभा चुनाव में राकांपा के खराब प्रदर्शन के बिलकुल विपरीत है। पार्टी ने राज्य की चार लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ा था जिनमें उसे केवल एक सीट मिली थी। अजित पवार ने अपने भतीजे और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार युगेंद्र पवार को बारामती सीट पर एक लाख से अधिक मतों से हराया।

अजित पवार ने पुणे जिले में स्थित अपने पारिवारिक गढ़ बारामती से आठवीं बार चुनाव लड़ा और उन्हें 1,81,132 वोट मिले, जबकि युगेंद्र पवार को 80,233 वोट हासिल हुए। इस तरह अजित पवार ने अपने छोटे भाई के बेटे युगेंद्र को 1,00,899 के अंतर से हरा दिया। राकांपा प्रमुख 2019 से तीन बार उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 2014 से पहले कांग्रेस-राकांपा शासन में भी दो बार इस पद पर कार्य किया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पूर्वोत्तर से अपनी उड़ानें बढ़ाईं

गुवाहाटी/भाषा। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने शीतकालीन कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर के तीन प्रमुख गंतव्यों-गुवाहाटी, अगरतला और इंफाल से उड़ानें बढ़ाने की घोषणा की है। यह किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन का देशभर में शीतकालीन सेवाओं में विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है। एयरलाइन ने एक बयान में यह जानकारी दी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुवाहाटी से अपने परिचालन को 63 से बढ़ाकर 106 साप्ताहिक उड़ानें कर दिया है। यह अगरतला, बेंगलूरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, इंफाल, जयपुर और कोलकाता के आठ घरेलू गंतव्यों के लिए सीधा संपर्क प्रदान करती है। एयरलाइन गुवाहाटी से 18 घरेलू गंतव्यों और छह अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए वन-स्टॉप संपर्क भी प्रदान करती है।

बयान में कहा गया है कि इंफाल में एयरलाइन ने इस सीजन में अपनी साप्ताहिक उड़ानों को बढ़ाकर 34 कर दिया है, जो पिछली सर्दियों की तुलना में 20 अधिक है। सितंबर, 2024 में अगरतला को एक स्टेशन के रूप में जोड़ने के बाद से एयरलाइन ने अपनी साप्ताहिक उड़ानों को 14 से बढ़ाकर 21 कर दिया है। यह दो गंतव्यों-गुवाहाटी और कोलकाता - को सीधे जोड़ती है। इसके अलावा एयरलाइन अगरतला से 11 घरेलू गंतव्यों के लिए वन-स्टॉप संपर्क भी प्रदान करती है। एयरलाइन के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अंकुर गर्ग ने कहा, यह विस्तार न केवल पूर्वोत्तर की खोज करने के इच्छुक लोगों के लिए आसान यात्रा की सुविधा प्रदान करता है, बल्कि देश के बाकी हिस्सों के साथ एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में गुवाहाटी की भूमिका को भी मजबूत करता है।

सुनिश्चित करेंगे कि महायुति सरकार अपने सभी चुनावी वादे पूरे करे: पटोले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने रविवार को कहा कि पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि नवनिर्वाचित महायुति सरकार अपने चुनावी घोषणा-पत्र और भाषणों में राज्य की जनता से किए गए वादों को पूरा करे। कांग्रेस नेता ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि महायुति को मुख्यमंत्री मांझी लाडकी बहिन योजना के तहत महिलाओं के लिए मासिक भत्ता 1,500 रुपए से बढ़ाकर 2,100 रुपए करने का अपना वादा तुरंत पूरा करना चाहिए।

महायुति ने राज्य विधानसभा चुनाव में 288 में से 230 सीट पर जीत दर्ज की है। महायुति में शामिल भाजपा को 132, शिवसेना को 57 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को 41 सीट पर जीत मिली। दूसरी ओर, एमवीए को करारी हार मिली, जिसने कुल मिलाकर महज 46 सीट जीती हैं। एमवीए में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) को 10, कांग्रेस को 16 और शिवसेना (यूबीटी) को 20 सीट पर जीत मिली। पटोले खुद भंडारा जिले के साकोली विधानसभा क्षेत्र से 208 मतों के अंतर से जीते।

पटोले ने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि महायुति सरकार चुनाव के दौरान किसानों से किए गए अपने वादों को पूरा करे। उन्होंने कहा कि महायुति ने अपनी जीत का श्रेय मुख्यमंत्री मांझी लाडकी बहिन योजना को दिया है, लिहाजा उसे वादे के अनुसार पात्र महिला लाभार्थियों को 2,100 रुपए देने चाहिए।

उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिका में अभियोग संबंधी जांच के लिए उच्चतम न्यायालय में नई याचिका

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप में अभियोग चलाने के संबंध में जांच का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक नई याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि इस कदम से ''समूह द्वारा किए गए कदाचार का खुलासा हुआ है। यह याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद में भारतीय कॉरपोरेट दिग्गज द्वारा शेयरों के मूल्य में हेरफेर के आरोपों से संबंधित याचिकाओं के समूह में एक अंतरिम आवेदन के रूप में दायर की गई है। गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 2,100 करोड़ रुपए) से अधिक की रिश्वत देने की साजिश का हिस्सा होने का आरोप लगाया है।

संसद सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर चर्चा की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सरकार द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने अदाणी समूह पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा की मांग की। विपक्षी दल ने मणिपुर मुद्दे, उत्तर भारत में प्रदूषण और रेल दुर्घटनाओं पर भी चर्चा की मांग की।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी पार्टी ने अदाणी समूह पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों पर संसद में चर्चा की अनुमति देने का सरकार से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि सोमवार को संसद की बैठक में सबसे पहले इस मुद्दे को उठाया जाए। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि यह देश के आर्थिक और सुरक्षा हितों से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है क्योंकि कंपनी ने अपनी सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अनुकूल सौदा पाने के वास्ते नेताओं और नौकरशाहों को 2,300 करोड़ रुपए से अधिक का कथित तौर पर भुगतान किया। अमेरिकी अभियोजकों ने अरबपति गौतम अदाणी पर अनुकूल सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा होने का आरोप लगाया है।

संसदीय समिति 'लेटरल एंट्री' के मुद्दे की पड़ताल करेगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी विभागों में प्रमुख पदों को भरने के लिए 'लेटरल एंट्री' के मुद्दे की एक संसदीय समिति द्वारा पड़ताल की जाएगी। इस साल की शुरुआत में इन पदों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं किए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था।

लोकसभा सचिवालय द्वारा सार्वजनिक किए गए विवरण के अनुसार, कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति द्वारा 2024-25 में पड़ताल के लिए चुने गए विषयों में सिविल सेवाओं में 'लेटरल एंट्री' भी शामिल है।

इस वर्ष अगस्त में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 45 पदों के लिए विज्ञापन दिया था, जिन्हें अनुबंध के आधार पर 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से भरा जाना था। इनमें से 10 संयुक्त सचिव और 35 निदेशक एवं उप सचिव के पद थे।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के खिलाफ बंद का तीसरा दिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकूट पर्वत स्थित वैष्णो देवी मंदिर तक के यात्रा मार्ग पर प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ बंद के तीसरे दिन रविवार को सैकड़ों दुकानदारों और मजदूरों ने रैली निकाली।

प्रदर्शनकारियों ने उप जिलाधिकारी कार्यालय और कटरा में शालीमार पार्क के बाहर धरना दिया, जो श्रद्धालुओं के लिए आधार शिविर है। उन्होंने श्राइन बोर्ड और रोपवे परियोजना के खिलाफ नारे लगाए, क्योंकि उनका मानना है कि इससे वे बेरोजगार हो जाएंगे।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा ताराकोट मार्ग से सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत वाली यात्री रोपवे परियोजना को लागू करने की घोषणा के बाद दुकानदारों, टट्टू और पालकी मालिकों का तीन दिवसीय बंद शुक्रवार को शुरू हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पारंपरिक यात्रा मार्ग पर शांतिपूर्ण रैली निकाली तथा प्रस्ताव को तत्काल वापस लेने या परियोजना से प्रभावित होने वाले सभी परिवारों के समुचित पुनर्वास की मांग की।

यात्रा मार्ग पर अधिकतर निजी दुकानें तीसरे दिन भी बंद रहीं, जबकि टट्टू और पालकी मालिकों ने तीर्थयात्रियों को कोई सेवा नहीं दी, जिससे कई श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि, मंदिर के लिए यात्रा बिना किसी व्यवधान के जारी रही।

विदेशी संपत्तियों की जानकारी देने के लिए सही आईटीआर चुनें: सीबीडीटी अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। कर विभाग के अनुसार चालू आकलन वर्ष के दौरान अब तक विदेशी संपत्तियों और आय का विवरण देने वाले दो लाख आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। विभाग ने भारतीय निवासियों से यह आग्रह किया है कि वे विदेशी संपत्तियों की जानकारी देने के लिए सही फॉर्म दाखिल करें और यदि उन्होंने गलत फॉर्म जमा किया है तो अपने रिटर्न को संशोधित करें। एक वरिष्ठ सीबीडीटी अधिकारी ने बताया कि निवासी भारतीयों को विदेशी संपत्तियों और विदेशी स्रोत आय अनुसूची को भरकर कर्मचारी शेयर विकल्पों के जरिये अपने नियोक्ताओं से मिले शेयरों और अर्जित आय के बारे में आयकर विभाग को जानकारी देनी चाहिए।

कर विभाग और उसके प्रशासनिक प्राधिकरण केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने हाल ही में करदाताओं को अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में अनुसूची 'विदेशी संपत्ति' (अनुसूची एफए) को सही ढंग से भरने और विदेशी स्रोतों (अनुसूची एफएसआई) से आय के बारे में बताने के लिए आकलन वर्ष (एवाई) 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस दौरान सीबीडीटी में आयुक्त (जांच) शशि भूषण शुक्ला ने विषय के विभिन्न प्रावधानों और 2015 के कालाधन विरोधी अधिनियम के प्रावधानों की व्याख्या की।

उन्होंने कहा कि जिनके पास ऐसी संपत्ति या आय है, लेकिन उन्होंने आईटीआर-1 या आईटीआर-4 दाखिल किया है, उन्हें कालाधन विरोधी कानून के तहत निर्धारित दंड और अभियोजन से बचने के लिए 31 दिसंबर तक संशोधित या विलंबित रिटर्न दाखिल करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू कश्मीर के कठुआ में लगाया जनता दरबार

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में जनता दरबार लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार लोगों के मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उधमपुर संसदीय क्षेत्र से लगातार तीसरी बार चुने गए सिंह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हीरानगर सेक्टर के मरहीन ब्लॉक में जनता दरबार लगाया।

एक अधिकारी ने बताया कि नागरिकों और प्रतिनिधिमंडलों द्वारा उठाए गए कई मुद्दों का मौके पर ही समाधान किया गया। कई अन्य मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। उन्होंने बताया कि उपायुक्त राकेश मिन्हास के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी वहां मौजूद थे।

जनता दरबार में सिंह को प्रशासन द्वारा उन मामलों की वस्तु स्थिति के बारे में जानकारी दी गई, जो पहले जनता द्वारा उनके संज्ञान में लाए गए थे।

'महायुति की जीत में 'लाडकी बहिन' योजना, ध्रुवीकरण ने संभवतः भूमिका निभाई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराड (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि 'लाडकी बहिन' योजना, मतदान में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी और धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की जीत में संभवत: भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि घोषित चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे, लेकिन वह पार्टी को फिर से मजबूत करेंगे। सक्रिय राजनीति से अलग होने के बारे में पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के सहयोगी इस बारे में फैसला करेंगे।

सतारा जिले के कराड शहर में पत्रकारों से बातचीत में शरद पवार ने स्वीकार किया कि उनके भतीजे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने उनकी पार्टी (राकांपा-एसपी) से अधिक सीट पर जीत दर्ज की है। हर कोई जानता है कि राकांपा की स्थापना किसने की थी। उन्होंने कहा, लाडकी बहिन योजना और धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण ने इसमें भूमिका निभाई। महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी महाराष्ट्र में महायुति की जीत का कारण हो सकती है। हम हार के कारणों पर विचार-विमर्श करेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे। पवार ने कहा कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) नए नेतृत्व की नई ऊर्जा के साथ लोगों के बीच जाएगी। ईवीएम पर पूछे गए सवाल के जवाब में पवार ने कहा कि वह ईवीएम के बारे में तभी बोलेंगे जब उनके पास आधिकारिक आंकड़े होंगे। एक दिन पहले शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने महायुति के पक्ष में आए बड़े जनादेश के पीछे ''गड़बड़ी'' का संदेह जताया था। पवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने राजनीतिक जीवन की सबसे करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। उनके नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) को 288 सदस्यीय विधानसभा में केवल 10 सीटें मिलीं, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को 41 सीटें मिलीं।

केंद्र ने एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांग आरक्षण के लिए दिशानिर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण और पदों की पहचान सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें ऐसे पदों की समय-समय पर पहचान और उनका मूल्यांकन करने के लिए समितियों का गठन अनिवार्य किया गया है।

दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि यदि कोई पद दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उपयुक्त समझा जाता है, तो उसके बाद के सभी पदोन्नति वाले पद भी दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित रहेंगे। ये दिशानिर्देश दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप हैं।

यह कदम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 के कार्यान्वयन में विसंगतियों को चिन्हित करने तथा पदों की पहचान करने में अनधिकृत कार्यों के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) जैसी संस्थाओं की आलोचना करने के बाद उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में टिप्पणी की थी कि केवीएस ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए स्वतंत्र रूप से पदों की पहचान करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया है और विभिन्न विभागों के बीच अधिनियम की समझ में विसंगतियों को उजागर किया है। अदालत ने इसके साथ दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) को एक समान दिशानिर्देश स्थापित करने का आदेश दिया। अद्यतन दिशानिर्देशों का उद्देश्य केंद्र सरकार के प्रतिष्ठानों में दिव्यांग व्यक्तियों के रोजगार में समावेशिता, निष्पक्षता और एकरूपता सुनिश्चित करना है।

नए दिशा-निर्देशों में मंत्रालयों और विभागों से दिव्यांग के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए समितियां गठित करने को कहा गया है, ताकि सभी पदों की उपयुक्तता का आकलन किया जा सके। दिशानिर्देश के मुताबिक प्रौद्योगिकीय प्रगति और उभरती नौकरी आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए चिह्नित पदों की हर तीन साल में व्यापक समीक्षा आवश्यक है। दिशा-निर्देशों में दृष्टि बाधित, चलने-फिरने में अक्षमता, श्रवण बाधिता और बौद्धिक अक्षमता सहित विभिन्न श्रेणियों में सीधी भर्ती और पदोन्नति में चार प्रतिशत आरक्षण का भी प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त दिशानिर्देश लंबित रिक्तियों को समय पर भरने, पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार तथा आरक्षण नीतियों से छूट के लिए तीन वर्ष की वैधता अवधि पर भी जोर देते हैं।

संविधान की 75 वीं वर्षगांठ पर कई कार्यक्रमों की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को कई कार्यक्रमों की घोषणा की, जिनमें 26 नवंबर को सभी सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में इसकी प्रस्तावना पढ़ना शामिल है।भारत का संविधान 26 नवंबर, 1949 को लागू हुआ था और इस साल इसकी 75वीं वर्षगांठ है। डॉ. बी आर अंबेडकर ने इसका रूपरेखा और मसौदा तैयार किया था। उन्हें भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में सम्मानित किया गया था – एक महान रचना – जिसमें देश को समृद्धि के पथ पर आगे ले जाने के लिए लोकतांत्रिक सिद्धांतों को शामिल किया गया था।

स्टालिन ने इस संबंध में आदेश पारित करते हुए कहा कि भव्य समारोह के हिस्से के रूप में, 26 नवंबर, को सुबह 11 बजे राज्य भर के सभी सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में संविधान की प्रस्तावना पढ़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना का वाचन सचिवालय के सभी विभागों, विभागीय मुख्यालयों, उच्च न्यायालय, जिला कलेक्ट्रेट, अन्य सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक उपक्रमों में होगा।

प्रस्तावना पढ़ने के साथ-साथ, सरकार ने जागरूकता और इसकी समझ को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में संविधान के मूल सिद्धांतों और संवैधानिक मानदंडों पर प्रतियोगिताएं, सेमिनार और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित करने की भी घोषणा की।

स्टालिन कल करेंगे दिव्यांगों के लिए देश के पहले वन स्टॉप पुनर्वास केंद्र 'विझुथुगल' का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन दिव्यांग लोगों के कल्याण के लिए द्रमुक मुनेत्र कषगम सरकार की एक और अनूठी पहल के तहत दिव्यांगों के लिए देश के पहले वन स्टॉप पुनर्वास केंद्र 'विझुथुगल' (जड़) का उद्घाटन सोमवार को करेंगे।

यह विश्व बैंक के समर्थन से दिव्यांग कल्याण विभाग के टीएन राइट्स प्रोजेक्ट के तहत स्थापित किए जा रहे 273 केंद्रों में से पहला होगा। केंद्र का नवीनीकरण 3.08 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और स्टालिन इसका उद्घाटन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यन और सामाजिक कल्याण एवं महिला सशक्तीकरण मंत्री गीता जीवन की उपस्थिति में करेंगे।

यह केंद्र दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक ही छत के नीचे छह पुनर्वास सेवाएं प्रदान करेगा। इनमें ऑप्टोमेट्री, फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक परामर्श, ऑडियोलॉजी और स्पीच थेरेपी तथा विशेष शिक्षा शामिल हैं। यह आईओटी सक्षम आपातकालीन पहचान और पैनिक बजर जैसी उन्नत पहुंच सुविधाओं से सुसज्जित है। लाभार्थियों की पहचान सामाजिक रजिस्ट्री नामांकन सर्वेक्षण के माध्यम से की गयी है। इसमें दिव्यांग उद्यमी द्वारा संचालित आविन मिल्क बूथ भी होगा।

अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जानकी रामचंद्रन की जन्मशती मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी के संस्थापक एम जी रामचंद्रन की पत्नी जानकी रामचंद्रन की रविवार को यहां जन्मशती मनाई। जानकी रामचंद्रन तमिलनाडु की पहली महिला मुख्यमंत्री थीं जिन्होंने अपने पति और तत्कालीन मुख्यमंत्री रामचंद्रन की मृत्यु के बाद जनवरी 1988 में कुछ समय के लिए राज्य का नेतृत्व किया था। रामचंद्रन को एमजीआर नाम से भी पुकारा जाता था।

अन्नाद्रमुक महासचिव इडप्पाडी के पलानीस्वामी ने शहर के एक मैरिज हॉल में आयोजित समारोह का नेतृत्व किया। अभिनेता रजनीकांत और डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत समेत कई नेताओं और मशहूर हस्तियों ने जानकी को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पलानीस्वामी ने एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। दिसंबर 1987 में एमजीआर की मृत्यु के बाद जानकी रामचंद्रन को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई, जबकि पार्टी दो गुटों में विभाजित हो गई थी। एक गुट का नेतृत्व जानकी और दूसरे गुट की मुखिया जे जयललिता थीं। हालांकि 1989 में उन्होंने जयललिता के साथ अपने मतभेदों को भुला दिया और अन्नाद्रमुक का नेतृत्व उन्हें सौंप दिया था।

इस घटना को याद करते हुए रजनीकांत ने कार्यक्रम स्थल पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में कहा कि जानकी ने जयललिता से कहा था कि वह ही अन्नाद्रमुक को आगे ले जाने में सक्षम हैं और उन्होंने (जानकी ने) पार्टी उन्हें (जयललिता को) सौंप दी तथा बाद में राजनीति से दूर हो गईं।

अमेरिका में अडानी के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप : भाकपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय सचिव के नारायण ने रविवार को दावा किया कि अमेरिका की न्यूयॉर्क की एक अदालत में भारतीय कॉर्पोरेट दिग्गज गौतम अडानी के खिलाफ रिश्वत का मामला दर्ज किया गया है। भाकपा नेता ने आज एक बयान जारी करके कहा कि यह मामला अडानी ग्रुप के संस्थापक अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के खिलाफ दर्ज किया गया है, जिन पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राष्ट्रीय सचिव डॉ के नारायण ने दावा किया है कि न्यूयॉर्क की एक अदालत में भारतीय कॉर्पोरेट दिग्गज अडानी के खिलाफ रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया गया है।

डॉ. नारायण ने भारत में भ्रष्टाचार के मामलों के निपटान की आलोचना की और जवाबदेही और कथित मामले के शीघ्र समाधान की मांग के लिए बड़े पैमाने पर जन आंदोलन का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए एक मजबूत और संगठित प्रयास की आवश्यकता है, जिसमें नागरिक समाज, मीडिया और राजनीतिक दल शामिल हों। डॉ. नारायण ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में देरी और अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और इसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, भारत के विपरीत, अमेरिका में मामलों को बिना किसी देरी के जल्दी से हल किया जाता है। अडानी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप आंध्र प्रदेश और उसके बाहर राजनीतिक उथल-पुथल पैदा कर रहे हैं। डॉ. नारायण ने आरोप लगाया कि इस घोटाले का संबंध आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी से है और यह दिल्ली सहित राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति को प्रभावित कर रहा है।

अडानी को मोदी का दाहिना हाथ कहते हुए डॉ. नारायण ने टिप्पणी की, अगर अमेरिकी सरकार इस मामले को गंभीरता से लेती है और अडानी के खिलाफ कार्रवाई करती है तो यह अमेरिका की ईमानदारी को कायम रखेगी। दूसरी ओर, अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मामले में अड़ंगा लगाते हैं तो इसका उनके नेतृत्व पर खराब प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि कथित भ्रष्टाचार घोटाला राजनीतिक और वित्तीय दुष्कर्मों की पराकाष्ठा है जिसने आंध्र प्रदेश के लोगों को पीड़ित बना दिया है। डॉ. नारायण ने सवाल किया कि क्या जनता को भ्रष्टाचार का बोझ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, क्या आंध्र प्रदेश के लोगों को 1,750 करोड़ रुपये के घोटाले के लिए एक लाख करोड़ रुपये की कीमत चुकानी चाहिए? अगर अडानी को सजा दी गई तो इससे मोदी का शासन जांच के दायरे में आ जाएगा। ऐसे भी आरोप हैं कि प्रधानमंत्री ने अडानी को जवाबदेही से बचाया है।'' उन्होंने कथित भ्रष्टाचार की गहन जांच की मांग की और जोर देकर कहा कि अडानी समेत जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

महाराष्ट्र चुनाव में चौंकाने वाली' हार पर सामूहिक रूप से आत्मचिंतन करेंगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन महायुति की महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के एक दिन बाद कांग्रेस ने रविवार को कहा कि वह और महा विकास आघाडी (एमवीए) के अन्य सहयोगी दल इन चुनावों में अपनी चौंकाने वाली हार के कारणों का पता लगाने के लिए मिलकर आत्मचिंतन करेंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा की 230 सीट पर जीत दर्ज की। कांग्रेस नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) महज 46 सीट पर सिमटकर रह गई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले और अविश्वसनीय हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा, हमें समझ में नहीं आ रहा कि क्या हुआ। यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की हार नहीं है, बल्कि पूरे महा विकास आघाडी की हार है। पहले हमें यह स्पष्ट रूप से समझ लेने दीजिए कि हुआ क्या है।

वेणुगोपाल ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में हार के बाद वह पूरी चुनाव प्रक्रिया को लेकर हैरान हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों में किसी तरह की गड़बड़ी की आशंका है, उन्होंने कहा कि वे हार के तुरंत बाद ऐसा कोई आरोप नहीं लगा रहे।

उन्होंने कहा, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के गढ़ों में हमें बड़ा झटका लगा है। यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे गठबंधन की विफलता है इसलिए हम साथ बैठकर (इसके कारणों का) सामूहिक रूप से आत्मनिरीक्षण करेंगे। निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि भाजपा ने 132 सीट, शिवसेना ने 57 और राकांपा ने 41 सीट जीती हैं। एमवीए में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 सीट, कांग्रेस ने 16 और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 20 सीट जीती हैं। वायनाड में प्रियंका गांधी वाद्रा की भारी बहुमत से जीत के बारे में पूछे जाने पर एआईसीसी महासचिव ने कहा कि यह पूरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। उन्होंने कहा, पार्टी को वायनाड में इस भारी जनादेश की उम्मीद थी। पार्टी के आंतरिक आकलन के बाद हमें यकीन था कि कम मतदान प्रतिशत प्रियंका के लिए जनादेश को प्रभावित नहीं करेगा।

वेणुगोपाल ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रियंका लोकसभा में वायनाड भूस्खलन त्रासदी और उसके बाद के मुद्दों को उठाएंगी। विपक्ष ने दावा किया था कि प्रियंका वायनाड के अधिक दौरे नहीं करेंगी। इस बारे में वेणुगोपाल ने कहा कि प्रियंका अपने कार्यों के माध्यम से विपक्ष को गलत साबित करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रियंका वायनाड की सांसद होने के साथ-साथ उत्तर भारत की राजनीति में भी अपना हस्तक्षेप जारी रखेंगी। प्रियंका ने शनिवार को केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के सत्यन मोकेरी को 4.1 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराकर अपनी पहली चुनावी जीत दर्ज की।

चेलक्कारा उपचुनाव में हार पर कांग्रेस आत्मचिंतन करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल के चेलक्कारा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की हार के लिए संगठनात्मक खामियों और उम्मीदवार चयन में विफलता की आलोचनाओं के बीच, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने रविवार को कहा कि वे इस क्षेत्र में चुनावी हार पर आत्मचिंतन करेंगे। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि चेलक्कारा में हार के कारणों का पता लगाया जायेगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, चेलक्कारा में हार के साथ-साथ वायनाड और पलक्कड़ में जीत पर भी विचार किया जाएगा।

केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ ने शनिवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को हराकर चेलक्कारा विधानसभा क्षेत्र पर कब्जा बरकरार रखा। माकपा उम्मीदवार यू आर प्रदीप ने कांग्रेस उम्मीदवार राम्या हरिदास को 12,201 मतों के प्रभावशाली अंतर से हराकर सीट जीती। प्रदीप को 64,827 वोट मिले, जबकि हरिदास को 52,626 वोट मिले। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा-राजग उम्मीदवार के. बालाकृष्णन 33,609 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

यह पूछे जाने पर कि क्या चेलक्कारा में उम्मीदवार के चयन में गलती हुई, सतीशन ने कहा कि नेतृत्व ने इस बारे में निर्णय किया था और हार के लिए भी वे ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि राम्या हरिदास इस निर्वाचन क्षेत्र की सांसद थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि चेलक्कारा में मेरी गणना भी गलत हो गई, क्योंकि मैंने अनुमान लगाया था कि यूडीएफ कम से कम 3,000 वोटों के अंतर से जीतेगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान में कोई चूक नहीं हुई।

उन्होंने कहा, वहां अभियान गतिविधियां शानदार थीं, पलक्कड़ से भी बेहतर। पार्टी सूत्रों के अनुसार, स्थानीय कांग्रेस नेताओं के एक व्हाट्सऐप ग्रुप में चर्चा के बाद रविवार को सोशल मीडिया पर पार्टी के भीतर नाराजगी सामने आई, जहां उन्होंने वरिष्ठ नेताओं द्वारा व्यापक अभियान प्रयासों के बावजूद विफलता पर निराशा व्यक्त की।

मलयालम अभिनेत्री ने अपना रुख बदला, अभिनेताओं के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगी

कोच्चि। फिल्म उद्योग के प्रमुख अभिनेताओं के खिलाफ हाल ही में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने वाली 51-वर्षीय मलयाली अभिनेत्री ने रविवार को कहा कि वह अपनी शिकायतें वापस नहीं लेंगी और न्याय पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगी।

मलयाली अभिनेत्री ने दो दिन पहले निराशा और सरकार से समर्थन की कमी का हवाला देते हुए मामले वापस लेने की घोषणा की थी। हालांकि, टेलीविजन चैनलों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने उन्हें अपनी लड़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने रविवार को मीडिया से कहा, मेरे पति ने मुझे फोन किया और मुझसे इन मामलों के सिलसिले में आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने मुझे पूरे परिवार का समर्थन देने का आश्वासन दिया और कहा कि मेरे साथ हुए उत्पीड़न के बाद पीछे हटने का कोई कारण नहीं है। अभिनेत्री ने कुछ साल पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक एम. मुकेश समेत कई पुरुष अभिनेताओं पर यौन शोषण का आरोप लगाया था।

शुक्रवार को उन्होंने केरल सरकार से समर्थन और संरक्षण की कमी तथा मानसिक थकावट का हवाला देते हुए मामले जारी रखने को लेकर अनिच्छा व्यक्त की थी।

खरीददारी

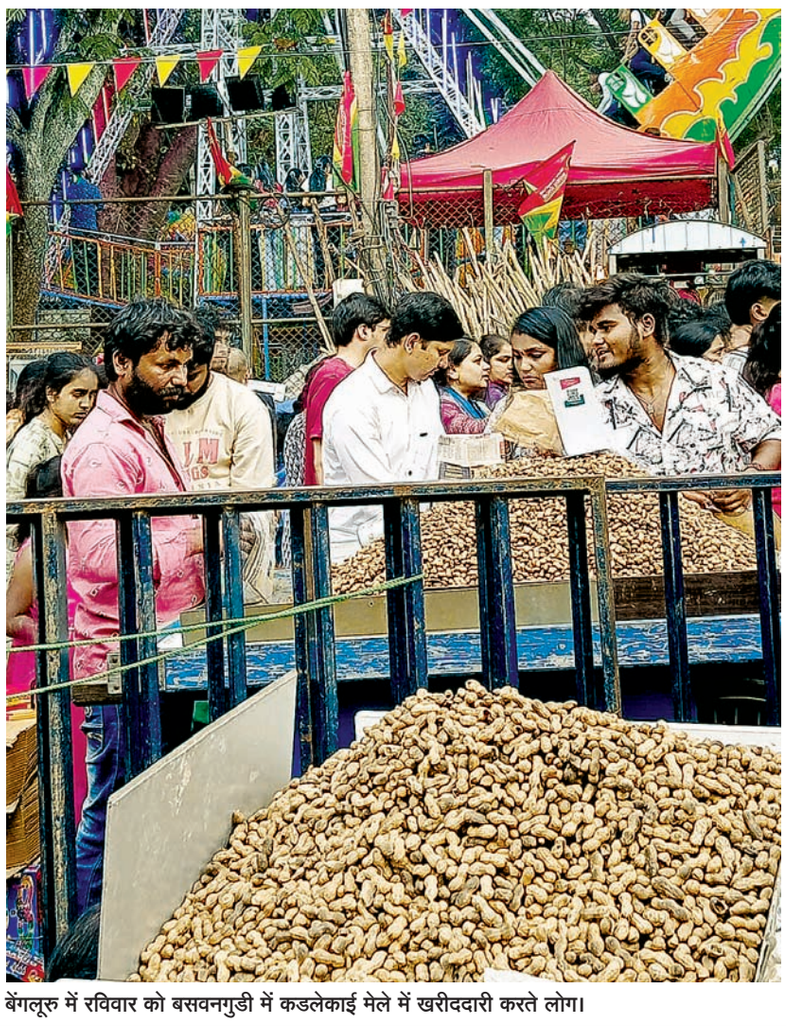

बेंगलूरु में रविवार को बसवनगुडी में कडलेकाई मेले में खरीददारी करते लोग।

केनरा बैंक की वार्षिक मैराथन में बेंगलूरु ने दिखाया दम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक की वार्षिक मैराथन ने बेंगलूरु की सड़कों को फिटनेस और सामुदायिक भावना के जीवंत उत्सव में बदल दिया, जिसमें इस साल 9,000 से ज्यादा उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया। आयोजन रविवार को कांतिराव स्टेडियम में हुआ और केनरा बैंक के प्रबंधन द्वारा जयकारों और उत्साह के बीच इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम में केनरा बैंक के एमडी एवं सीईओ के सत्यनारायण राजू, गैर-कार्यकारी अध्यक्ष विजय श्रीरंगन, बैंक के सभी कार्यकारी निदेशक तथा बेंगलूरु के पुलिस उप महानिरीक्षक सहित अनेक प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे। इसके अलावा केनरा बैंक के सहयोगी भागीदारों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

धावकों ने दो मुख्य श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करते हुए दृढ़ संकल्प और एथलेटिक क्षमता का प्रदर्शन किया। इसमें 10 किमी दौड़ में शीर्ष पुरुष और महिला विजेताओं को 2,00,000 रुपए का नकद पुरस्कार और 5 किमी दौड़ के विजेताओं को 1,00,000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। हर श्रेणी में कुल छह विजेता थे, जिन्होंने असाधारण प्रदर्शन किया।

कनकपुरा के एस मैदान में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महिला जागरूकता सम्मेलन के दौरान दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

भाजपा और जनतांत्रिक (एस) नेताओं ने चन्नपटना उपचुनाव जीतने में मदद की : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के भीतर कलह का संकेत देते हुए चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव में जद (एस) उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी की हार का श्रेय इन पार्टियों के नेताओं को दिया। कांग्रेस उम्मीदवार सी.पी. योगेश्वर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और राजग उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी के खिलाफ शनिवार को घोषित परिणामों में 25,413 मतों के अंतर से चन्नपटना उपचुनाव में जीत हासिल की। कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक के सभी तीन विधानसभा क्षेत्रों – चन्नपटना, संडूर और शिग्गाओं में जीत हासिल की, जहां उपचुनाव हुए थे।

निखिल कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते हैं। पिछले साल सितंबर में, जद (एस) भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई थी। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस चुनाव (चन्नपटना) में सभी पार्टियों के कई लोगों ने हमारी मदद की है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पास केवल 16,000 वोट थे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, अगर भाजपा और जद (एस) नेताओं ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमारा समर्थन नहीं किया होता, तो हमें इतने वोट नहीं मिलते। मैं उन्हें बधाई देता हूं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कर्नाटक विधानसभा में जद(एस) की 19 सीट थीं, जो अब घटकर 18 रह गई हैं। भाजपा या जद(एस) की ओर से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कांग्रेस ने अपनी हार की पटकथा टिकट वितरण के समय ही लिख दी थी

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

राजस्थान सूबे की 7 सीटों के परिणाम नि:संदेह भजनलाल सरकार के लिए संजीवनी बूटी साबित हुए हैं, गाहे-बगाहे उनकी छुट्टी की खबरें सियासी गलियारों में तैरती रही हैं लेकिन इन नतीजों से ऐसी खबरों को विराम लग गया है। दरअसल कांग्रेसी नेताओं ने उपचुनावों को शिद्दत से लड़ने की बजाय साजिशों पर ज्यादा ध्यान दिया। उसी का रिजल्ट है कि उन्हें इस चुनाव में बुरी तरह हार का मुंह देखना पड़ा। भाजपा के एक वर्ष के शासन में ऐसी कोई खास उपलब्धि नहीं थी जिससे कि उपचुनाव के ऐसे नतीजे आएँ। सच तो यह है कि पहले टिकट वितरण में कांग्रेस ने खुद को निपटाने की तैयारी कर ली थी। फिर चुनाव प्रचार के दौरान कहीं भी कांग्रेस आक्रामक मूढ में नहीं थी। जबकि दूसरी ओर सत्तारूढ़ दल भाजपा पूरे लाव-लश्कर के साथ चुनाव क्षेत्र में विपक्ष पर ताबड़तोड़ हमले करती रही। कांग्रेस ने तो मानो हथियार डाल रखे थे। साफगोई अंदाज में कहें तो विपक्ष की भूमिका में कांग्रेस पूरी तरह नाकारा साबित रही।

इन उपचुनावों को कांग्रेस ने अपनी प्रतिष्ठा की बजाय सांसदों की साख के नजरिए से ज्यादा देखा। दरअसल उपचुनाव पांच सीटों पर सांसद निर्वाचित होने के कारण सीटें ख़ाली होने से हो रहे थे, जिनमें 3 कांग्रेस, एक-एक रालोपा और बाप पार्टी से सांसद बने थे। इनमें दौसा से कांग्रेस के सांसद मुरारी लाल मीणा के पार्टी प्रत्याशी डीडी बैरवा के चुनाव जीतने से इज्जत बरकरार रह गई। इस नतीजे में कांग्रेस के नेता सचिन पायलट का भी अहम रोल रहा। दूसरी ओर टोंक-सवाई माधोपुर के सांसद हरीश मीणा और झुंझुनू के सांसद बृजेंद्र ओला के देवली- उनियारा और झुंझुनू सीट के नतीजे विपरीत आने से उनकी साख को बट्टा लगा है।

सांसद निर्वाचित होकर दौसा के मीणा के अलावा बांसवाड़ा के सांसद राजकुमार जोत ने भी अपने निर्वाचन क्षेत्र चौरासी की सीट पर कब्जा बरकरार रखकर प्रतिष्ठा बनाए रखी है, लेकिन सबसे बड़ा झटका इस उपचुनाव में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को लगा है, जो लाख प्रयास के उपरांत अपनी ही परम्परागत सीट को बचा नहीं पाये। यहां से उनकी धर्मपत्नी कनिष्का बेनीवाल का हारना काफी मायने रखता है। खींवसर में कमल का खिलना और राजस्थान विधानसभा में रालोपा का सफाया होना, हनुमान की सियासी पारी में उनके लिए हरदम टीस देने वाला रहेगा। झुंझुनू के सांसद बृजेंद्र ओला को भी अपने सुपुत्र अमित ओला को विधानसभा ना भेजने का मलाल रहेगा

बहरहाल,अब राजस्थान की राजनीति में कई समीकरण बनेंगे बिगड़ने। राजनीतिक दलों में उथल-पुथल होने के साथ-साथ राजनेताओं में आपस में एक-दूसरे पर गहरे व्यंग्य बाण चलेंगे। जोड़-तोड़ की नई गणित बैठाने के साथ जातीय समीकरण उलझेंगे और सुलझेंगे। कुल मिलाकर उपचुनाव के नतीजों ने यह सिद्ध कर दिया है न तो परिवारवाद चलेगा और नहीं बड़बोलेपन। हां जिनकी साजिश सफल हुई है वह जरूर अंदर ही अंदर खुश हो सकते हैं। नतीजों की मार से विपक्ष घायल जरूर है लेकिन भाजपा को भी इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि उनकी सरकार के कामकाज से बाजी मारी है। सच्चाई तो यह है, हार की पटकथा तो कांग्रेस ने टिकट वितरण के समय ही लिख दी थी।

दीप प्रज्ज्वलित

तिजारा में रविवार को पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव रविवार को अलवर, भिवाड़ी में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट के दौरान दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

सेना के 'एक दौड़ शूरवीरों के नाम' थीम पर दूसरे प्रोमो रन का सफल समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सेना के सप्त शक्ति कमान, राजस्थान द्वारा 'एक दौड़ शूरवीरों के नाम' थीम के अंतर्गत आयोजित हॉनर रन के लिए दूसरा प्रोमो रन रविवार को जयपुर के जेएलएन मार्ग स्थित एनसीसी कैंप से संपन्न हुआ। चीफ ऑफ स्टाफ साउथ वेस्टर्न कमांड सेना मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वन्द्रा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के जनरल मैनेजर मदन एलएस ने प्रोमो रन का फ्लैग ऑफ किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में वेटरन्स, धावक, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली बच्चे और समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सेना के भुत पूर्व सैनिको के साहस, बलिदान और सेवाओं को सम्मानित करना है।

दौड़ के दौरान, फिटनेस और स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया गया और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से एकता और प्रेरणा का संदेश दिया गया। प्रोमो रनों की सफलता के बाद, अब हॉनर रन का मुख्य आयोजन आगामी 8 दिसंबर को जयपुर में होगा।

इस आयोजन का शुभारंभ कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे, जो विशेष रूप से इसे फ्लैग ऑफ करेंगे। इस विशेष आयोजन में सोशल इंफ्लुएंसर्स भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे, साथ ही वेटरन्स की अहम भूमिका रहेगी। इसके अलावा, कई प्रसिद्ध मैराथन धावक, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली बच्चे और हजारों नागरिक इस आयोजन में भाग लेंगे।

लोककवि मोहन मण्डेला स्मृति सम्मान-2024 बारां के जनकवि बाबू 'बंजारा' को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहपुरा। साहित्य सृजन कला संगम द्वारा स्थापित लोक कवि मोहन मण्डेला स्मृति लोक साहित्य सम्मान इस वर्ष राजस्थानी भाषा के ख्याति प्राप्त कवि एवं गीतकार बाबू 'बंजारा' को दिया जाना सुनिश्चित किया है। जनकवि बाबू बंजारा ने राजस्थान सहित पूरे देश के काव्य मंचों के माध्यम से राजस्थानी भाषा के प्रचा-प्रसार में अभूतपूर्व योगदान दिया है। लोक क्षेत्र में उनकी रचनाओं ने राजस्थानी भाषा के प्रति आम व्यक्ति को आकर्षित किया है। लोक साहित्य के क्षेत्र प्रतिष्ठित इस सम्मान को पाने वाले अब तक के साहित्यकारों में गजानन वर्मा-श्रीरतनगढ़, कल्याण सिंह राजावत-जयपुर, दुर्गादान सिंह गौड़-झालावाड़, माधव दरक-केलवाड़ा, रघुराज सिंह हाड़ा-झालावाड़, भंवरजी भंवर-जयपुर, भागीरथ सिंह भाग्य-बगड़, अरूणकांत साँचीहर-कांकरोली, पं विश्वेश्वर शर्मा-मुंबई, मुकुट मणिराज-कोटा, गिरीश विद्रोही-श्रीनाथद्वारा, डॉ. खटका राजस्थानी-बिजयनगर, नागराज शर्मा-पिलानी, बिहारी शरण पारीक-जयपुर, नाथूलाल 'निडर'-अंता, हंसराज चौधरी-रावतभाटा, ताऊ शेखावाटी-सवाईमाधोपुर,आईदान सिंह भाटी-जोधपुर, उपेन्द्र अणु-ऋषभदेव, गजादान चारण -डीडवाना, डॉ. इकराम राजस्थानी-जयपुर, राजेन्द्र स्वर्णकार-बीकानेर प्रमुख हैं। इस पुरस्कार के अन्तर्गत नकद राशि के अलावा शॉल, साफा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किए जाने की परम्परा रही है।

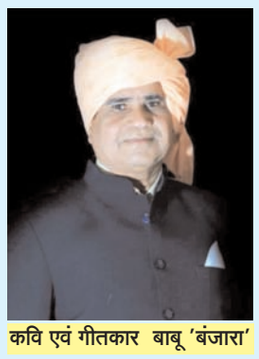

कवि एवं गीतकार बाबू 'बंजारा'

प्रति वर्ष यह सम्मान लोककवि मोहन मण्डेला स्मृति अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के अंतर्गत दिया जाता है। इस वर्ष यह कवि सम्मेलन लोक कवि श्री मण्डेला की 28वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आगामी 30 नवंबर शनिवार को रात 7.30 बजे श्री राम टाकीज शाहपुरा के हॉल में आयोजित होगा जहां यह पुरस्कार दिया जाएगा।

इस महती आयोजन में देश एवं राज्य के चुनिन्दा एवं ख्याति प्राप्त कवि भाग लेते रहे हैं। संस्था के अध्यक्ष जयदेव जोशी ने बताया कि इस वर्ष शाहपुरा जिला स्थापना के बाद होने वाला यह दूसरा आयोजन ऐतिहासिक होगा। इस आयोजन को अलग स्वरूप प्रदान करने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

भाजपा की जीत से विकास पर लगी मोहर : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव में सात में से पांच सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली जीत को ऐतिहासिक बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। शर्मा ने कहा कि इस जीत से देश के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और राजस्थान सरकार के विकास कार्यों पर अपनी मोहर लगा दी है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को परिणाम आने के बाद एक बयान में कहा कि यह जीत भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा, राजस्थान उपचुनावों में हमने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों एवं 11 महीने में भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में हुए विकास कार्यों को मतदाताओं तक पहुंचाने का प्रयास किया। इसी का परिणाम है कि इस उपचुनाव में भाजपा को 2023 के विधानसभा चुनावों में मिले मतों से 15 प्रतिशत अधिक वोट प्राप्त हुए हैं।

राज्य की सात विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने पांच पर जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संकल्प के अनुसार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं जबकि कांग्रेस एवं अन्य दल चुनावों में झूठ और भ्रम फैलाते हैं और ऐसी राजनीति को जनता ने अपने वोट से जवाब दिया है। शर्मा ने कहा, हम राजस्थान के विकास के लिए कृत संकल्पित हैं और इस ऐतिहासिक जीत ने हमारे इस इरादे को और भी मजबूत किया है।

भाजपा की जीत के बाद यहां पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री शर्मा का स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने उपचुनावों में भाजपा को जीत मिलने पर कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

वसुंधरा बोलीं- पीठ में छुरा घोंपने में माहिर होते हैं लोग, पार्टी की जीत पर दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पांच सीटें जीतकर अप्रत्याशित परिणाम हासिल किया है।

इन्हीं अप्रत्याशित परिणामों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की जोड़ी की जमकर तारीफें हो रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की सादगी एवं संगठन और सरकार के बीच में उनके द्वारा बैठाया गया तालमेल कुछ इस तरीके से काम करता नजर आया कि इन दोनों नेताओं के आगे विपक्ष धराशायी हो गया।

जिन दोनों नेताओं को चुनावी प्रचार के दौरान अनुभवहीन बताया जा रहा था, उन्हीं दोनों नेताओं ने कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाली झुंझुनू सीट को कांग्रेस के मुंह से छीन लिया और दूसरी तरफ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की राजधानी मानी जाने वाली खींवसर सीट को जीतकर विधानसभा में हनुमान बेनीवाल और उनकी पार्टी को जीरो पर लाकर खड़ा कर दिया।

इधर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया पर जीत की बधाई दी परंतु राजे की बधाई से ज्यादा उनका झालावाड़ में एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया भाषण ज्यादा चर्चाओं में आ गया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे महाराणा प्रताप की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़ी बातों पर चर्चा करते हुए कुछ ऐसा कह गईं, जिसकी चर्चा हर तरफ चल पड़ी है।

मंच से बोलते हुए उन्होंने कहा- महाराणा प्रताप के जीवन से हमें सीखना चाहिए कि लोग पीठ में छुरा घोंपने में माहिर होते हैं। महाराणा कभी ऐसा नहीं करते थे और निहत्थे पर वार करने की बजाय अपने साथ दो तलवारें रखते थे, एक अपने लिए और एक निहत्थे के लिए। उन्होंने कहा, महाराणा प्रताप के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और समझना चाहिए कि समय का चक्र पहिये सा घूमता है।

महलों में मखमल पर सोने वाले राजा को भी जंगल में कांटों पर भी सोना पड़ता है। महाराणा का सिद्धांत था अत्यंत विकट परिस्थिति में भी जो हार नहीं मानते हैं, जीत उन्हीं की होती है।

भजन लाल को बैरवा और बेढम ने दीं जीत की बधाई

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा उप चुनाव की 7 में से 5 सीटों पर जीतने के लिए सीएम भजन लाल शर्मा को उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार सुबह सीएम हाउस जाकर जीत की बधाई दी। इस दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी नीतियों और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की अथक मेहनत के कारण ही भाजपा को उप चुनाव में भी जबरदस्त जन आशीर्वाद मिला है। इन चुनावों ने राजस्थान सरकार के कल्याणकारी फैसलों पर अपनी मुहर लगा दी है। इतना ही नहीं इससे कांग्रेस का झूठ और लूट वाला चेहरा उजागर हो गया है।

बता दें कि राजस्थान की जिन 7 सीटों पर उप चुनाव हुए हैं, उनमें से पहले 6 सीटें कांग्रेस के पास थीं। इस तरह कांग्रेस को 5 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) राजस्थान विधानसभा से ही बाहर हो गई है।

अजमेर में पंचकल्याणक 20 से 25 अप्रैल को होना प्रस्तावित

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के नाकामदार क्षेत्र स्थित 'जिन शासन तीर्थ क्षेत्र जैन नगर' में नव विकसित दिगम्बर जैन समुदाय के 24 तीर्थकरों भगवान की मूर्तियों का पंचकल्याणक अगले वर्ष 20 से 25 अप्रैल 2025 को होना प्रस्तावित है। इसी क्रम में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के देश भर में प्रचार-प्रसार के लिए इन्दौर से तैयार कर मंगाया गया 'जिनशासन तीर्थ प्रभावना रथ' का आज मंगल प्रवर्तन हुआ। यह रथ देश के सात राज्यों राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड की 40 हजार किलोमीटर की यात्रा कर पंचकल्याणक से पूर्व अजमेर लौटेगा। अजमेर से रवाना किया गया तीर्थ प्रभावना रथ जिन शासन तीर्थ क्षेत्र तथा पंचकल्याण प्रतिष्ठा महामहोत्सव का जगह-जगह प्रचार करेगा ताकि देश भर में तीर्थ क्षेत्र और पंचकल्याण की धर्मप्रभावना हो सके।

प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में प्रदेशवासियों को मिलेंगी सौगात : पटेल

जयपुर/दक्षिण भारत । संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल शनिवार को चूरू जिले के सर्किट हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से रूबरू हुए और जिले में विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में प्रदेशवासियों को बेहतरीन सौगात मिलेगी।

युवाओं को रोजगार क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे तथा सरकारी विभागों में रिक्तियों को भरा जाएगा। प्रदेश सरकार युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए कृत संकल्पित है। हम सरकारी विभागों में कामकाज की गति को तीव्र करने के उद्देश्य से सहायक कर्मचारी एवं ड्राइवर की भर्ती कर रहे हैं।

सरकार का पूर्ण प्रयास रहेगा कि मार्च तक सभी विभागों में सहायक कर्मचारी एवं ड्राइवर पदस्थापित किए जाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाए।

सरकार की मंशानुरूप प्रत्येक व्यक्ति तक विकास की राह आसान हो और लाभान्वितों से सकारात्मक फीडबैक सामने आएं।

राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव से राजनीति में आया नया मोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सात विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनाव के परिणाम से प्रदेश की राजनीति में नया मोड़ आ गया हैं और इस बार जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विकास के नारे को बल मिला और कई वर्षों से अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा जमाये बैठे नेताओं एवं परिवारों का वर्चस्व समाप्त हो गया वहीं प्रदेश की भजनलाल सरकार को दिये जा रहे पर्ची, सर्कस और यू टर्न सरकार आदि नामों की भी पोल खुल गई और इससे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का सियासी कद और बढ़ गया।

उपचुनाव की सात सीटों में पांच सीटें भाजपा ने जीत कर यह साबित कर दिया कि भाजपा ने चुनाव में विकास की जो बात कही उसे बल मिला है वहीं शर्मा के कुशल राजनीतिक नेतृत्व के चलते खींवसर, झुंझनूं एवं रामगढ़ में कई वर्षों से राजनीतिक प्रतिष्ठा जमाये बैठे दिग्गज नेताओं के सियासी गढ़ इस उपचुनाव में ढह गये। इससे यह भी संदेश गया कि अब पुराने एवं दिग्गज नेता का प्रभाव काम नहीं आता, जनता काम भी चाहती है और वह नये नेताओं को भी काम करने का मौका देना चाहती हैं और वह इस उपचुनाव में नजर भी आया।

इस बार खींवसर से भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा, झुंझुनूं से राजेन्द्र भांबू, रामगढ़ से सुखवंत सिंह एवं सलूंबर से शांता मीणा, दौसा से कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा तथा चौरासी से भारत आदिवासी पार्टी के अनिल कुमार कटारा पहली बार विधानसभा का चुनाव जीता है। केवल देवली-उनियारा में पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी राजेन्द्र गुर्जर ग्यारह साल बाद फिर से चुनाव जीता हैं। इसके अलावा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने भजनलाल सरकार को पर्ची सरकार नाम दे दिया गया कि दिल्ली से जो पर्ची आयेगी भजनलाल वही काम करते हैं। इसके बाद भजनलाल सरकार को सर्कस एवं यू टर्न सरकार भी कहा गया लेकिन जब उपचुनाव के परिणाम लोगों के सामने आये और भाजपा को सात में से पाचं सीटे मिली और वह भी दिग्गज नेताओं के गढ़ में तो इन बातों की हवा निकल गई। क्योंकि इन बातों का जनता पर कोई असर नहीं पड़ा।

नागौर जिले में प्रसिद्ध मिर्धा परिवार को पछाड़कर खींवसर विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2008 से अपना राजनीतिक दबदबा बनाये रखने वाले सांसद हनुमान बेनीवाल का परिवार इस बार उपचुनाव में हार गया। वर्ष 2008 से पहले खींवसर की जगह मूंडवा विधानसभा क्षेत्र था जहां भी हनुमान बेनीवाल के पिता दो बार विधायक रहे थे । ऐसे में बेनीवाल परिवार को शिकस्त देना काफी कठिन लग रहा था लेकिन भजनलाल की कुशल राजनीति के चलते यह संभव हो पाया और दिग्गज सियासी गढ को ढहा दिया गया।

झुंझुनूं में आजादी के बाद से सर्वाधिक बार जीतने वाली कांग्रेस के शीशराम ओला एवं उसके परिवार का सात बार इस सीट पर कब्जा रहा लेकिन इस बार यह सियासी गढ़ भी ढह गया। इसी तरह रामगढ़ में भी पूर्व विधायक जुबैर खान के परिवार का राजनीतिक वर्चस्व भी इस उपचुनाव में समाप्त हो गया और जनता ने परिवारवाद को नकार दिया। देवली-उनियारा में भाजपा के जीतने पर कांग्रेस का वर्चस्व खत्म हो गया।

हालांकि सलूंबर में पूर्व विधायक अमृतलाल मीणा का परिवार अपना राजनीतिक वर्चस्व बचाने में कामयाब रहा। जहां उनकी पत्नी एवं भाजपा प्रत्याशी शांता मीणा चुनाव जीत गई। लेकिन भाजपा दौसा में अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा कामय नहीं कर पाई। उपचुनाव में कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा ने अपने भाई एवं पार्टी प्रत्याशी जगमोहन को जिताने में जीन जान लगा दी लेकिन वह भी उन्हें चुनाव नहीं जीता पाये और दौसा की जनता ने यहां भी परिवारवाद को नकार दिया।

सोशल मीडिया के जरिये नतीजे प्रभावित करने का प्रयास कर रहे विशेष हित समूह : न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल विशेष हित समूहों द्वारा मामलों के नतीजों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है और न्यायाधीशों को उनसे सावधान रहने की जरूरत है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि आजकल लोग यूट्यूब या किसी अन्य सोशल मीडिया मंच पर देखे गए 20 सेकंड के वीडियो के आधार पर राय बना लेते हैं और कहा कि यह बहुत बड़ा खतरा है। उन्होंने एनडीटीवी इंडिया के 'संविधान ऐट 75 कॉन्क्लेव' में कहा, आज कुछ विशेष हित समूह, दबाव समूह हैं जो अदालतों की राय और मामलों के नतीजों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रत्येक नागरिक को यह समझने का अधिकार है कि किसी निर्णय का आधार क्या है और अदालत के निर्णयों पर अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। हालांकि जब यह अदालत के निर्णयों से परे चला जाता है और किसी न्यायाधीश को निशाना बनाता है, तो यह मौलिक प्रश्न उठाता है– क्या यह वास्तव में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है?'' उन्होंने कहा, इसलिए, हर कोई 20 सेकंड में

यूट्यूब या किसी भी सोशल मीडिया मंच पर जो कुछ भी देखता है, उस पर अपनी एक राय बनाना चाहता है। यह एक गंभीर खतरा पैदा करता है, क्योंकि अदालतों में निर्णय लेने की प्रक्रिया कहीं अधिक गंभीर है। यह वास्तव में अत्यंत जटिल होता है, जिसे आज सोशल मीडिया पर किसी के पास इसे समझने के लिए धैर्य या सहनशीलता नहीं है और यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है, जिसका सामना भारतीय न्यायपालिका कर रही है। उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि क्या सोशल मीडिया पर 'ट्रोलिंग' से न्यायाधीशों पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा, न्यायाधीशों को इस तथ्य के बारे में बहुत सावधान रहना होगा कि वे लगातार विशेष हित समूहों के हमले के अधीन हैं, जो अदालतों में होने वाले निर्णयों को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में कानूनों की वैधता तय करने की शक्ति संवैधानिक अदालतों को सौंपी गई है। उन्होंने कहा, शक्तियों के पृथक्करण में यह प्रावधान है कि कानून बनाने का काम विधायिका द्वारा किया जाएगा, कानून का क्रियान्वयन कार्यपालिका द्वारा किया जाएगा और न्यायपालिका कानून की व्याख्या करेगी तथा विवादों का निपटारा करेगी। कई बार ऐसा होता है कि अधिकार क्षेत्र को लेकर घालमेल हो जाता है। लोकतंत्र में नीति निर्माण का काम सरकार को सौंपा जाता है। जब मौलिक अधिकारों की बात आती है, तो संविधान के तहत अदालतें हस्तक्षेप करने के लिए बाध्य हैं। नीति निर्माण विधायिका का काम है, लेकिन इसकी वैधता पर निर्णय लेना अदालतों का काम और जिम्मेदारी है।

सपा के 2047 तक सत्ता में आने की संभावना नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए दावा किया कि सपा के 2047 तक सत्ता में आने की संभावना नहीं है।

राज्य की नौ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की मतगणना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन सात और सपा दो सीट पर विजयी रही।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा की नौ सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) ने सीसामऊ एवं करहल सीट जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गाजियाबाद, खैर, फूलपुर, मझवां, कटेहरी और कुंदरकी में जीत दर्ज की। भाजपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने मीरापुर सीट पर जीत हासिल की।

मौर्य ने सपा के नारे पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का जिक्र करते हुए 'एक्स' पर रविवार को लिखा, सपा का फर्जी पीडीए (परिवार डबलपमेंट एजेंसी) उपचुनाव में धराशायी। नौ सीट पर जीत का दावा करने वाले अब गिनती नहीं बता पा रहे। उन्होंने सपा पर आरोप लगाया कि उसने लोकसभा 2019 में बसपा (बहुजन समाज पार्टी), 2024 में कांग्रेस से गठबंधन कर पिछड़ों और दलितों को गुमराह किया, परंतु जनता ने सपा को सिरे से नकार दिया।

मौर्य ने करहल और सीसामऊ में भी भविष्य में जीत हासिल का दावा करते हुए कहा, करहल से सीसामऊ तक सपा के गढ़ भी ढहेंगे और भाजपा के सुशासन का कमल खिलेगा।

मौर्य ने कहा, 2027 में हम 2017 दोहरायेंगे और एक बार फिर 300 पार के लक्ष्य के साथ नई इबारत लिखेंगे। एक हैं तो 'सेफ' हैं! मोदी जी के नेतृत्व में देश भी 'सेफ' (सुरक्षित), विकास भी 'सेफ'।

मौर्य ने कहा, अखिलेश जी, 2027 तो छोड़िए, 2047 तक इंतजार कीजिए, फिर भी सपा के सत्ता में आने की उम्मीद नहीं।

महाकुंभ को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाएंगे गंगा सेवादूत

प्रयागराज/भाषा। महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने रविवार को गंगा सेवादूतों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसमें 250–250 के बैच में करीब 1800 गंगा सेवादूतों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताते हुए मेला विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) आकांक्षा राणा ने बताया कि ये गंगा सेवादूत महाकुंभ में स्वच्छता के साथ ही मेला क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 नवंबर तक जिला पंचायत सभागार में चलेगा। प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा 250–250 के बैच में लगभग 1800 गंगा सेवादूतों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

अगर मेरा नुकसान होगा तो अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे : दयाशंकर सिंह

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के अधिकारियों पर सरकारी धनराशि का समय से उपयोग न किए जाने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि अगर उनका नुकसान हुआ तो अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री सिंह ने शनिवार रात्रि जिला मुख्यालय पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बलिया जिले के अधिकारियों को इंगित करते हुए कहा ' ''विकास कार्य के लिए मैं पैसा भेजता हूँ, लेकिन यहाँ के अधिकारी उसे लैप्स कर देते हैं। मेरे कार्यकाल के दो साल बचे हैं और मेरा नुकसान होगा तो अधिकारियों को बर्दाश्त नहीं किए जाएगा। सिंह ने कहा कि ''ढ़ाई वर्ष बीत जाने के बाद भी समय से कार्य नहीं हुआ और अगर मेरा नुकसान हुआ तो अधिकारियों का नुकसान होगा। उन्होंने कहा, पांच साल में से ढ़ाई साल से ज्यादा समय बीत गया, कई कार्य स्वीकृत हुए। पैसा हमने वहां से भेज दिया। जिला प्रशासन द्वारा समय से कार्य नहीं होने पर पैसा लैप्स होकर चला गया। जिला प्रशासन कार्य नहीं कर रहा है।

कभी दावा नहीं किया कि भाजपा जीतेगी झारखंड चुनाव : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की करारी हार के एक दिन बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उन्होंने कभी यह दावा नहीं किया था कि पार्टी राज्य के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करेगी। हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की और 81 सदस्यीय सदन में 56 सीट पर जीत दर्ज की। वहीं, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को केवल 24 सीट पर ही जीत हासिल हुई। शर्मा, झारखंड चुनाव के लिए भाजपा के सह–प्रभारी थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन से घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के अपने संवैधानिक कर्तव्य को निभाने का आग्रह किया। शर्मा ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, जब भी आप (मीडिया) ने मुझसे झारखंड के बारे में पूछा तो मैंने कहा था कि यहां चुनाव मुश्किलों भरा रहने वाला है। मैंने कभी दावा नहीं किया कि हम जीतेंगे। हमारी पार्टी के लिए वहां चुनाव लड़ना कठिन काम था, लेकिन हमने मौजूदा परिस्थितियों में अच्छा काम किया। शर्मा विधानसभा चुनाव से पहले ही पार्टी के प्रचार के लिए झारखंड में डेरा डाले हुए थे।

जब तक फर्जी वोट डालने से रोकने के लिए आयोग सख्त कदम नहीं उठाता बसपा कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राज्य की नौ सीट पर हुए उपचुनाव में पार्टी को करारी शिकस्त मिलने के एक दिन बाद रविवार को चुनाव में धांधली का आरोप लगाया और कहा कि अब उनकी पार्टी कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी।

मायावती ने संभल में सर्वेक्षण के दौरान रविवार को हुई हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि आज वहां सर्वेक्षण के दौरान जो कुछ भी हिंसा व बवाल हुआ है, उसके लिए उत्तर प्रदेश का शासन व प्रशासन पूरी तरह जिम्मेदार है। उत्तर प्रदेश में नौ सीट पर हुए उपचुनाव में बसपा के उम्मीदवार सात क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि दो सीट पर वे आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के उम्मीदवारों से भी पीछे पांचवें स्थान पर रहे। मायावती ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, हमारी पार्टी ने यह फैसला किया है कि जब तक देश में फर्जी वोट डालने से रोकने के लिए देश के निर्वाचन आयोग द्वारा कोई सख्त कदम नहीं उठाए जाते तब तक हमारी पार्टी देश में कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा, आम चुनाव में इस मामले में थोड़ा बचाव जरूर हो जाता है क्योंकि सरकारी मशीनरी सत्ता परिवर्तन के डर से घबराती हैं।

जदयू नेता ने उपचुनाव परिणाम को लेकर तेजस्वी पर तंज कसा

पटना/भाषा। जदयू के प्रवक्ता और विधान पार्षद नीरज कुमार ने बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए रविवार को दावा किया कि बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में राजद नेता ''शर्म'' के मारे सदन में नजर नहीं आएंगे। जदयू नेता ने इस आशय का सोमवार को एक वीडियो बयान जारी कर बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान यादव के लोकसभा चुनाव के परिणामस्वरूप सदन से अनुपस्थित रहने और उन पर अपने चुनावी हलफनामे में अपनी आय कम बताकर ''वेतन घोटाला'' करने का आरोप लगाते हुए कहा, राजनीति में पराजय से शर्मसार हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह बिहार विधानसभा के पिछले सत्र (मानसून सत्र) में पटना में रहते हुए राजनीतिक लज्जा के चलते विधानसभा नहीं गए। आप विपक्ष के नेता हैं, कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है। सरकारी खजाने से वेतन उठाते हैं। अगर विधानसभा के प्रस्तावित सत्र (शीतकालीन सत्र) में नहीं जाइएगा तो वेतन घोटाला के साथ अब आपके नाम ''कर्तव्य घोटाला'' भी जुड़ने वाला है। इस साल की शुरुआत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग ने राज्य की 40 लोकसभा सीटों में से 30 सीटें हासिल की थीं।

बीजद ने वक्फ (संशोधन) विधेयक वापस लेने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने वक्फ (संशोधन) विधेयक वापस लेने की मांग करते हुए रविवार को यहां एक रैली निकाली।

बीजद के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने राजभवन के पास इस रैली का आयोजन किया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विधेयक वापस लेने की मांग करते हुए नारे लगाए, क्योंकि उनका दावा है कि इससे (विधेयक से) समुदाय के बीच सद्भाव प्रभावित होगा।

सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा के लिए वक्फ संशोधन विधेयक समेत 16 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। प्रदर्शनकारियों ने खुर्दा के जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें उन्होंने कुछ सुझाव दिए और वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में चिंता व्यक्त की।

ज्ञापन में कहा गया है, हम आग्रह करते हैं कि इस प्रस्तावित विधेयक को वापस लिया जाए और संसद में कोई भी संशोधन पेश किए जाने से पहले हितधारकों के साथ उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए व्यापक परामर्श किया जाए। हम अपने राष्ट्र के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं, इस मामले में न्याय और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आपके कार्यालय पर भरोसा करते हैं। बीजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं सांसद मुन्ना खान ने कहा कि उनकी पार्टी के सांसद संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक का पुरजोर विरोध करेंगे।

हालांकि, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी समुदाय के साथ अन्याय नहीं करेगी।

राज्यपाल ने हेमंत सोरेन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया, शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने रविवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। वह 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले दिन में राज्य में 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने सर्वसम्मति से सोरेन को विधायक दल का नेता चुना।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं ने बताया कि सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। वह 28 नवंबर को शपथ ग्रहण होने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करेंगे। गंगवार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सोरेन ने कहा, मैंने सरकार बनाने का दावा पेश किया है और राज्यपाल को गठबंधन सहयोगियों का समर्थन पत्र सौंप दिया है। उन्होंने हमें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को होगा। अपनी कार से राजभवन पहुंचे सोरेन ने कहा कि राज्यपाल ने उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने को कहा है। सोरेन झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। झारखंड का गठन 15 नवंबर 2000 को हुआ था। वह चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले दिन में, गठबंधन के नेताओं और विधायकों ने यहां हेमंत सोरेन के आवास पर एक बैठक के दौरान उन्हें सर्वसम्मति से गठबंधन का नेता चुना। बैठक में गठबंधन के घटक दलों के विधायकों के अलावा कांग्रेस के झारखंड प्रभारी एवं पार्टी महासचिव गुलाम अहमद मीर और पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश ठाकुर भी शामिल हुए। हेमंत सोरेन की झामुमो नीत गठबंधन ने शनिवार को झारखंड में शानदार जीत हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की। 'इंडि' गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट जीती हैं। हालांकि, भाजपा नीत राजग को भारी महज 24 सीट मिलीं।

हेमंत सोरेन की झामुमो नीत गठबंधन ने शनिवार को झारखंड में शानदार जीत हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की। 'इंडि' गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट जीती हैं। हालांकि, भाजपा नीत राजग को भारी महज 24 सीट मिलीं।

अदाणी के प्रवक्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं भाजपा नेता- बिहार कांग्रेस अध्यक्ष

पटना/भाषा। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर अदाणी समूह के ''प्रवक्ता के रूप में काम करने'' का रविवार को आरोप लगाया, जिसपर अमेरिका में रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। राज्यसभा सदस्य सिंह आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग को लेकर दबाव डालने के लिए कांग्रेस की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित एक प्रदर्शन के मौके पर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, लंबे समय से हमारे नेता राहुल गांधी गौतम अदाणी के अनैतिक कार्यों को उजागर कर रहे हैं। किसी ने ध्यान नहीं दिया। अब, अमेरिका में घोटाला सामने आया है, जिसने दुनिया भर में देश की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त उद्योग समूह को लेकर विवादों के बावजूद, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ''उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है... और मीडिया से बात करने वाले भाजपा के नेता अदाणी के प्रवक्ता के रूप में 'ओवरटाइम' काम करते प्रतीत होते हैं।

बिहार व्यापार शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्ताव पिछले साल से अधिक होंगे : मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने रविवार को कहा कि पटना में होने वाला आगामी वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन बहुत सफल होगा। उन्होंने कहा कि 2023 के संस्करण में मिले लगभग 50,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्तावों के मुकाबले इस बार अधिक प्रस्ताव मिलेंगे। 'बिहार बिजनेस कनेक्ट' का दूसरा संस्करण 19–20 दिसंबर, 2024 को पटना में आयोजित किया जाएगा।

मिश्रा ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा, पिछले साल हमें लगभग 50,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। मुझे पूरा विश्वास है कि इस साल हमें और अधिक निवेश प्रस्ताव मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी निवेशक सम्मेलन बिहार में एक नए औद्योगिक युग की शुरुआत करेगा। इससे पहले 2023 में निवेशक बैठक के दौरान 278 कंपनियों ने 50,500 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश के लिए कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। मिश्रा ने बताया कि 2023 संस्करण में मिले अधिकांश निवेश प्रस्तावों को क्रियान्वित किया जा चुका है और शेष को जल्द ही क्रियान्वित किया जाएगा। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि 38,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। मिश्रा ने कहा कि पहले ऐसी धारणा थी कि बिहार बड़े निवेश को आकर्षित नहीं कर सकता, लेकिन अब यह धारणा बदल गई है और निवेशक आ रहे हैं।

विराट कोहली को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है, उनका योगदान अद्वितीय है : कपिल देव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व दिग्गज हरफनमौला कपिल देव ने रविवार को यहां कहा कि विराट कोहली को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है और भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान 'अद्वितीय' है।

कोहली ने रविवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में अपना 30वां टेस्ट शतक जड़ा।

कोहली (नाबाद 100) और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (161) की शतकीय पारियों ने भारत ने इस मैच में अपना शिकंजा काफी मजबूत कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया में यह कोहली का सातवां शतक है। वह इसके साथ ही महान सचिन तेंदुलकर (छह शतक) के रिकॉर्ड को पीछे छोडकर इस देश में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले भारतीय बन गए।

कपिल ने यहां विश्व समुद्र गोल्डन ईगल गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान पीटीआई से कहा, जिन लोगों को आलोचना करनी है वे आलोचना करेंगे। कोई बड़ा खिलाड़ी अगर वापसी करने में बहुत समय लेता है तो मीडिया ऐसा काम

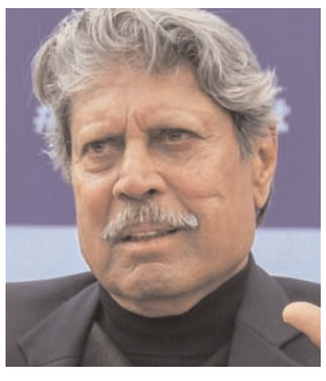

करती है। उन्होंने कहा, हमें उसकी क्षमता और प्रतिभा देखनी चाहिए। वह बहुत बड़े खिलाड़ी है। उन्हें किसी को साबित करने की जरूरत नहीं है। उन्हें मुझे या मीडिया के सामने कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है।

भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा, उसने क्रिकेट के लिए जो किया है वह अद्भुत है। हम सभी को उसे शाबाशी देनी चाहिए। वह अगर बहुत अधिक रन नहीं बनाता है तो भी ठीक है।उन्होंने क्रिकेट को जो दिया है वह अद्वितीय है। उन्होंने जायसवाल की तारीफ करते हुए कहा किसी और खिलाड़ी से इस युवा बल्लेबाजी की तुलना करना बेमानी होगी। उन्होंने कहा, मुझे तुलना करना पसंद नहीं है। मैं बस हमारे युवाओं को बेहतर करते हुए देखना चाहता हूं। नए रिकॉर्ड (हमेशा) बनते रहेंगे। युवाओं के लिए जरूरी है कि वे देश का प्रतिनिधित्व जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा, किसी भी खिलाड़ी की तुलना किसी से न करें। यह अनुचित है, (वे अलग–अलग परिस्थितियों, अलग–अलग युगों में खेलते हैं)। आज के युवा कहीं अधिक समझदार और आत्मविश्वास से लबरेज हैं। ''

उन्होने शानदार तरीके से भारतीय टीम की अगुवाई करने के लिए कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और कहा कि मेहमान टीम ने अब तक उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।

निडर मानसिकता के साथ खेला, साहसिक फैसले लिए : यशस्वी जायसवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पर्थ/भाषा। भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में शानदार शतकीय पारी के लिए निर्भीक मानसिकता और साहसिक फैसले लेने की काबिलियत को अहम बताया।

जायसवाल ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अपनी दूसरी ही पारी में 161 रन बनाए और केएल राहुल (77 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 201 रन जोड़कर भारत को 533 रन का लक्ष्य देने की नींव रखी। जायसवाल ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह मेरे लिए बहुत विशेष पल था। मैं हमेशा से ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना चाहता था और इसमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। यह पारी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ''' उन्होंने कहा, मैं हमेशा निडर मानसिकता के साथ खेलना चाहता था। मुझे खुद पर भरोसा है और मैं साहसिक फैसले लेता हूं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया में इतने बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेलना एक अद्भुत अनुभव था। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ शतक बनाना बहुत खास है। '' पहली पारी में आठ गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले जायसवाल ने कहा कि उनका फोकस ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों की नई गेंद के स्पैल के खिलाफ डटे रहने पर था। उन्होंने कहा, पहली पारी में विकेट थोड़ा ज्यादा सीम कर रहा था। दूसरी पारी में हम चर्चा कर रहे थे कि नई गेंद को बेहतर तरीके से कैसे खेला जाए, कौन सी गेंद छोड़नी है और कौन सी खेलनी है। इसलिए टीम के लिए यह महत्वपूर्ण था कि मैं नई गेंद को बेहतर तरीके से खेलूं। '' जायसवाल ने कहा कि उन्होंने दूसरी पारी के लिए छोटा लक्ष्य निर्धारित किया था।

सुविचार

सच बोलने के लिए कोई तैयारी नहीं करनी पड़ती, सच हमेशा दिल से निकलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अपने जीवन से संदेश दें

कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा दिल्ली के संबंध में यह सवाल किए जाने कि 'क्या इसे देश की राजधानी भी रहना चाहिए', के बाद कुछ 'बुद्धिजीवी' राजधानी बदलने का सुझाव जोर-शोर से दे रहे हैं। थरूर राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की वजह से पैदा हुए हालात का जिक्र कर रहे थे, लेकिन उन्होंने कोई ठोस समाधान नहीं बताया। उनकी देखादेखी सोशल मीडिया पर कई 'विशेषज्ञों' का इस बहस में शामिल होकर राजधानी को अन्यत्र ले जाने का सुझाव देना यह बताता है कि वे स्थायी समाधान ढूंढने के इच्छुक नहीं हैं। बस, यह चाहते हैं कि उन्हें किसी तरह प्रदूषित हवा से थोड़ी राहत मिल जाए। भारत जैसे विशाल देश की राजधानी को किसी अन्य शहर में स्थानांतरित करना कोई हंसी-खेल नहीं है। यह बहुत ज्यादा खर्चीला काम है। इसमें महीनों नहीं, बल्कि वर्षों लग सकते हैं। इस बात की क्या गारंटी है कि जिस नए शहर को राजधानी बना देंगे, उसमें वायु प्रदूषण नहीं होगा? इन लोगों के ये सुझाव किसी भी दृष्टि से व्यावहारिक नहीं हैं, क्योंकि देश के अन्य शहरों पर भी पहले से काफी आबादी का दबाव है। वहां कई समस्याएं हैं, लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अगर किसी शहर की वायु गुणवत्ता 'ठीक' या 'संतोषजनक' है तो वहां के निवासियों को समय रहते जागरूक हो जाना चाहिए। उन्हें ऐसा हर संभव तरीका अपनाना चाहिए, जिससे वायु गुणवत्ता की रक्षा हो। राजनेताओं और 'बुद्धिजीवियों' की जिम्मेदारी है कि वे समस्या का स्थायी समाधान बताएं। अभी टीवी चैनलों, सोशल मीडिया आदि पर हर कोई शिकायत कर रहा है कि प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ गया, लेकिन इसके समाधान पर कितने लोग बात कर रहे हैं?

किसी भी देश की राजधानी दुनिया में उसकी छवि पेश करती है। जब विदेश में लोग दिल्ली के प्रदूषण के बारे में खबरें पढ़ते होंगे तो क्या सोचते होंगे? ऐसा शहर, जहां बड़े-बड़े राजनेता, अनुभवी अधिकारी, कानून के ज्ञाता, वैज्ञानिक, डॉक्टर, चिंतक और दार्शनिक रहते हैं, वहां इतना गंभीर वायु प्रदूषण कैसे हुआ? इन्हें तो बहुत पहले सतर्क हो जाना चाहिए था! अगर अस्सी या नब्बे के दशक में ही कुछ सख्त कदम उठा लिए जाते तो आज ऐसे हालात पैदा नहीं होते। निश्चित रूप से इसके लिए वे सभी राजनीतिक दल कहीं-न-कहीं जिम्मेदार हैं, जो दिल्ली की सत्ता में भागीदार रहे। अब हवा इतनी जहरीली हो गई तो सुझाव आने लगे कि राजधानी ही बदल दें! यह तो वही बात हुई कि घर के एक कमरे में आग लग गई तो उसे बुझाने और अपनों को बचाने के बजाय दूसरे कमरे में रहने का सुझाव दें! अगर आग की लपटें उस कमरे तक भी पहुंच गईं तो? उसके बाद अगली मंजिल क्या होगी? समस्या को देखकर पलायन करना कोई समाधान नहीं है, बल्कि इससे भविष्य में समस्या गंभीर होगी तथा कई और समस्याएं पैदा होंगी। दिल्ली के वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा आम और गरीब वर्ग पीड़ित है। संपन्न लोगों ने घरों में वायु शोधक उपकरण लगवा लिए हैं। ये उन्हें कितनी और कब तक राहत दे पाएंगे? उन्हें कभी तो बाहर की हवा में सांस लेना होगा। यह आजमाइश का वक्त है। अब राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों को अपने जीवन से संदेश देना होगा। उन्हें जीवन शैली में सादगी लानी होगी। कारों के काफिले को घटाना होगा। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना होगा। सोचिए, उस व्यक्ति के शब्दों का जनता पर कितना असर होगा, जो वायु गुणवत्ता पर तो खूब चिंता जताए, उसके बाद धुआं छोड़ती हुई कार में बैठकर अपने घर जाए! अगर महात्मा गांधी के सामने वायु प्रदूषण की ऐसी विकराल समस्या आई होती तो वे कोरे शब्दों से नहीं, बल्कि अपने जीवन से ऐसा संदेश देते, जिसे आम जनता खुशी-खुशी दिनचर्या का हिस्सा बना लेती। राजनेता और अधिकारी भी अपने जीवन से बड़ा संदेश दें। जुर्माना, सम-विषम नियम, पलायन जैसे सुझावों से स्थायी समाधान नहीं होगा।

ट्वीटर टॉक

आज गयाना में भारतीय मूल के लोग राजनीति, व्यापार, शिक्षा और संस्कृति के हर क्षेत्र में गयाना का नेतृत्व कर रहे हैं। गयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली भी भारतीय मूल के हैं, जो अपनी भारतीय विरासत पर गर्व करते हैं।

-नरेन्द्र मोदी

बांदा जिले के महुआ ग्राम में भाजपा राजस्थान के पूर्व संगठन महामंत्री तथा वर्तमान में भाजपा तेलंगाना के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर की माता जी के देवलोकगमन के उपरांत उनके निज आवास पर आयोजित शोक सभा में दिवंगत पुण्यात्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

-भजनलाल शर्मा

महाराणा का जीवन हमें बताता है कि सांप से कितना ही प्रेम करलो, वह अपने स्वभाव के अनुरूप कभी न कभी तो आप पर जहर उगलेगा ही। सर कटालो, लेकिन दुश्मन के सामने कभी सर मत झुकाओ। जब तक लक्ष्य प्राप्ति न हो जाये, तब तक जागते रहो।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

खुशी का मनोविज्ञान

जब दो सगे भाई एक ही स्थान पर, एक जैसे घरेलू राशन का व्यापार करते हैं, तो एक दुकान पर अधिक ग्राहक आते हैं जबकि दूसरी दुकान पर कम क्यों हैं? शिष्यों ने उत्तर दिया, 'भाग्य के कारण' अथवा 'व्यवहार के कारण।' स्वामी अग्निमित्र मुस्कुराते हुए बोले, 'दोनों भाई एक ही तरह का व्यवहार करते हैं और एक ही प्रकार का राशन देते हैं।' कुछ शिष्य और उत्तर देने लगे, लेकिन संत संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने खुद उत्तर देना शुरू किया। वह बोले, 'छोटा भाई ग्राहक द्वारा मांगी गई मात्रा से अधिक सामान तराजू पर रखकर तौलता है, और जब अधिक मात्रा होती है तो वह सामान निकालकर तौलता है। वहीं, बड़ा भाई ग्राहक द्वारा मांगी गई मात्रा से कम सामान रखकर तौलता है, और जब मात्रा कम होती है तो अतिरिक्त सामान डालकर तौल बराबर करता है।' यह इंसान की स्वाभाविक फितरत होती है कि जब कोई चीज़ उसे मिल जाए, तो उसे वापस लेने में उसे पीड़ा होती है, जबकि जब अधिक मिलता है तो खुशी होती है। तराजू पर रखी वस्तु ग्राहक की अपनी प्रतीत होती है, और इसलिए उसे वापस निकालना उसे मानसिक रूप से कष्टकारी लगता है। वहीं, वस्तु की मात्रा बढ़ाने पर उसे खुशी महसूस होती है।

सामयिक

सत्ता पक्ष को फिर मिला जनादेश

सुरेश हिंदुस्तानी

पिछले पांच साल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार की राजनीतिक उठापटक हुई थी, उसके केंद्र में कौन था, यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इंडी गठबंधन की मानें तो उसने इसका सारा ठीकरा भाजपा के मत्थे मढ़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इस राजनीतिक धमा चौकड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना ने अपने विभाजन के रूप में चुकाई।

देश के दो राज्यों के साथ कुछ राज्यों के उपचुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष के प्रति अपना जनादेश दिया है। हर चुनाव में सत्ता के प्रति जनता में किसी न किसी बात पर आक्रोश रहता है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। जनता ने फिर से उन्हीं सरकारों को फिर से सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी है, जो सत्ता में थी। खास बात यह है कि महाराष्ट्र और झारखण्ड में सत्ता धारी गठबंधन को पहले से ज्यादा सीटें मिली हैं। यह जनादेश न तो किसी के उछलने का मार्ग तैयार करता है और न ही किसी को नकारने की स्थिति पैदा करता है। जहां तक खुशियाँ मनाने की बात है तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन जीत की खुशी मना रहा है तो झारखण्ड में इंडी गठबंधन के गले में विजयी माला पहनाई गई है। वहीं उपचुनाव में सबको ख़ुशी और सबक दोनों ही दिए हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए ख़ुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है। इस चुनाव की सबसे ख़ास बात यह मानी जा सकती है कि कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत का आंकड़ा प्राप्त नहीं कर सकी, जिससे यह सन्देश निकल रहा है कि अब भविष्य की राजनीति की दिशा और दशा गठबंधन के सहारे ही तय होगी। वर्तमान में राजनीति दो विचार धाराओं के बीच है, जिसमें एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय बनाकर चलने वाले राजनीतिक दलों का विचार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के विचारों से तालमेल रखने वाले दलों की बानगी है। इतना ही नहीं इन चुनावों एक दूसरे के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया गया, वह राजनीतिक हिसाब से भले ही जायज ठहराया जा सकता है, लेकिन आम नागरिकों के समक्ष भ्रम जैसी स्थिति को ही प्रादुर्भित करती हैं।

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए निश्चित ही अच्छे कहे जा सकते हैं, लेकिन झारखण्ड में सरकार बनाने का सपना लेकर मैदान में उतरी भाजपा को फिर से तैयारी करनी होगी। झारखण्ड के परिणाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति उपजी सहानुभूति को आधार बताया जा रहा है। पिछले दिनों झारखण्ड में हुए भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से अलग होना पड़ा था। जिसके बाद हेमंत सोरेन ने चुनाव में इसी को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था और चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण बनाया। ऐसा लगता है कि झारखंड में भाजपा अपनी ताकत और कमजोरी को भाँपने में विफल हो गई। झारखण्ड में भाजपा इतनी अप्रभावी नहीं कही जा सकती, जैसा उसका इस चुनाव में प्रदर्शन रहा है। पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा के प्रादेशिक नेताओं की तनातनी जगजाहिर थी, जिसका परिणाम भाजपा के लिए ठीक नहीं था। हालाँकि इस चुनाव में भाजपा ने पिछली गलती को सुधारने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सत्ता के सीढ़ी का निर्माण कर पाने में असफल रही। अब झारखण्ड में फिर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन फिर मुख्यमंत्री होंगे, यह भी तय लगता है।

परिणाम के बाद अब महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में जो राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं, उसके अनुसार यही कहा जा रहा है कि झारखंड और महाराष्ट्र में राजनीतिक हवा अलग अलग दिशा में बह रही थी। जिसने हवा का रुख भांप लिया, वह हवा के साथ ही चला और सत्ता प्राप्त करने में सफलता हासिल की। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस के साथ रहने वाले शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार कर शायद यही सन्देश दिया है कि यह सत्ता के लिए किया गया बेमेल गठबंधन ही था। महाराष्ट्र में ऐसे जनादेश का क्या अर्थ होना चाहिए कि एक गठबंधन जीत गया तो दूसरा गठबंधन हार गया। इसी प्रकार झारखण्ड में भी जनादेश की भी समीक्षा की जाने लगी है।

पिछले पांच साल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार की राजनीतिक उठापटक हुई थी, उसके केंद्र में कौन था, यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इंडी गठबंधन की मानें तो उसने इसका सारा ठीकरा भाजपा के मत्थे मढ़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इस राजनीतिक धमा चौकड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना ने अपने विभाजन के रूप में चुकाई। जो धड़े अलग हुए वे भाजपा के साथ जाकर खड़े हो गए और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। कहा जा रहा है कि जनादेश ने भाजपा के साथ वाली शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को असली होने का प्रणाम पत्र दे दिया है। अब महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन की ही सरकार बनेगी, यह तय है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इसके कयास भी लगने लगे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर भाजपा ने शानदार वापसी की है। ज्यादा उम्मीद इसी बात की है कि एकनाथ शिंदे ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पीछे राजनीतिक कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सहयोगी दलों की जरूरत है, इसलिए भाजपा अपने सहयोगी दलों को अब नाराज नहीं कर सकती। दूसरी बात यह भी है भाजपा ने एकनाथ शिंदे को जिस प्रकार से चौकाने वाले अंदाज में मुख्यमंत्री बनाया था, वह हर किसी के लिए आश्चर्य ही था। अब यह भी हो सकता है कि भाजपा ने जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री बनाया, वही प्रयोग शिंदे के साथ भी किया जा सकता है।

नजरिया

तेजी से बढ़ रहा है राष्ट्रीय पार्टियों का दबदबा

अशोक भाटिया

इस वर्ष 2024 में हुए केंद्र व राज्यों के चुनावों में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा । हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है । हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों में महायुति को प्रचंड जीत हासिल हुई है। बीजेपी लगातार तीसरी बार राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी बीजेपी ने 132 सीटें जीती हैं।

महायुति में शामिल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 57 सीटों पर जीत मिली है तो वहीं महायुति के तीसरे सबसे बड़े घटक अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को कुल 41 सीटें मिली हैं। कुछ अन्य छोटे सहयोगियों को मिलाकर महायुति ने राज्य की 288 सीटों में 234 पर जीत हासिल की है। विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) को सिर्फ 48 सीटें मिली हैं। इनमें उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना को सर्वाधिक 20, कांग्रेस पार्टी को 16 और शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी ने 10 सीटों पर जीत हासिल की है। समाजवादी पार्टी को दो सीटों पर जीत मिली है। छोटे दलों को केवल 10 सीटें मिली है . उन 10 सीटों में कुछ छोटे दल और निर्दलीय शामिल हैं।असुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम को विधानसभा चुनावों में सिर्फ एक सीट जीत मिली। पार्टी के उम्मीदवार ने 162 वोट से जीतकर मालेगांव सेंट्रल सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। इनमें जन सुराज्य शक्ति 2 , कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (एम)1 , पीजेंट एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया 1 .निर्दलीय 2 . राज ठाकरे की अगुवाई वाली मनसे को राज्य में 1.55 फीसदी वोट मिले। तो वहीं महाराष्ट्र की 230 से अधिक सीटों पर लड़ी बहुजन समाज पार्टी को सिर्फ 0.48 फीसदी वोट मिले।

इससे पूर्व हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के चुनाओं को देखें तो उसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ा पर भले ही सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन कि बनी पर भारतीय जनता पार्टी का वोट प्रतिशत 25.64% रहा, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस से अधिक रहा । दूसरे दलों की बात करें तो वे दूर दूर तक दिखाई नहीं दिए । नेशनल कॉन्फ्रेंस- 42 बीजेपी-29 कांग्रेस-6 पीडीपी-3 मार्क्सवादी म्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम)- 1 जम्मू और कश्मीर पीपुल कॉन्फ्रेंस (जेपीसी)-1 आम आदमी पार्टी-1 स्वतंत्र उम्मीदवार- 7 यानी वर्चस्व बड़े दलों का रहा .

यदि हरियाणा के चुनाव को देखा जाय तो वहां सीधी लड़ाई कांग्रेस व भाजपा में रही , और आंकड़े देखे तो कांग्रेस ने सीपीएम के साथ मिलकर 90 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट सीपीएम को दी. वहीं भाजपा ने 89 सीटों पर चुनाव लड़ा. दुष्यंत चौटाला की जेजेपी ने चंद्रशेखर आजाद की एएसपीकेआर (-ड्झघठ) के साथ मिलकर कुल 78 सीटों पर चुनाव लड़ा. जेजेपी 66 सीटों पर लड़ी तो एएसपीकेआर 12 सीटों पर. वहीं अभय चौटाला की आईएनएलडी और बसपा (इड्झ) ने कुल 86 सीटों पर चुनाव लड़ा. इसमें आईएनएलडी 51 सीटों पर तो बसपा 35 सीटों पर चुनाव लड़ी. अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी तो सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ी.भाजपा को 48 सीट व कांग्रेस को 37 सीट , इंडियन नेशनल लोक दल- 2 निर्दलीय- 3

गौरतलब है कि केंद्र और राज्यों में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई रही । कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे, लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है।

2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियां का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दल का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी हश्र रहा। मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले । छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले ।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती । बीएसपी को 2 सीटें मिली ।लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा ।

ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी । कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए । बीएसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला । अब बात करें तेलंगाना की कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है, लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है। तेलंगाना में मिली कांग्रेस की जीत और बीआरएस की हार का सियासी प्रभाव सिर्फ दक्षिण की सियासत तक ही सीमित नहीं बल्कि क्षेत्रीय की राजनीति पर भी पड़ेगा।

तेलंगाना में बीआरएस को असदुद्दीन ओवैसी का साथ भी नहीं बचा सका और केसीआर सत्ता की हैट्रिक लगाने से चूक गए। ओवैसी भले ही सात सीटें अपनी बचाने में कामयाब रहे, लेकिन केसीआर की सत्ता नहीं बचा पाए। कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना के नतीजे बताते हैं कि मुसलमानों का भरोसा क्षेत्रीय दलों से उठ रहा है और कांग्रेस की तरफ उनका झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे सोचने वाली बात यह है कि तेलंगाना में कांग्रेस की जीत क्या अखिलेश यादव के लिए बुरी खबर है? देखा जाय तो मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न तेजी से बदल रहा है। पहले दिल्ली के एमसीडी चुनाव में मुसमलानों ने आम आदमी पार्टी से मूंह मोड़ा और कांग्रेस के पक्ष में वोट किया।

मुसलमान यह बात अच्छे से जानते हुए कि मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है और कांग्रेस चुनावी लड़ाई में नहीं है। मुस्लिमों का कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग करना सियासी बदलाव के तौर पर देखा गया। दिल्ली के बाद कर्नाटक के चुनाव में मुसमलानों ने एकमुश्त वोट कांग्रेस के पक्ष में किया और जेडीएस को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया था। जेडीएस ने 23 मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे, लेकिन मुस्लिम इन सीटों पर कांग्रेस के हिंदू कैंडिडेट के पक्ष में वोटिंग किया था। एचडी देवगौड़ा के मजबूत गढ़ पुराने मैसूर क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को जेडीएस का कोर वोटबैंक माना जाता था, जहां पर 14 फीसदी मुस्लिम हैं। इस बार के चुनाव में मुस्लिम मतदाता जेडीएस को दरकिनार कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में एकजुट हो गए थे। वहीं, अब मुस्लिमों ने तेलंगाना चुनाव में ओवैसी की पार्टी को पुराने हैदराबाद के इलाके की सीटों पर वोट किया, लेकिन तेलंगाना के बाकी इलाके में कांग्रेस के साथ रहे।

देश भर के मुस्लिमों की रहनुमाई का दावा करने वाले असदुद्दीन ओवैसी का गृह राज्य तेलंगाना है। ओवैसी ने तेलंगाना में केसीआर का खुलकर समर्थन किया था। मुस्लिमों ने हैदराबाद में उनकी परंपरागत सात सीटों पर भरोसा जताया, लेकिन बाकी हिस्से में उनका जादू मुस्लिमों पर नहीं चला। ओवैसी के सहारे मुस्लिम वोटों की पूरी तरह से मिलने की आस अधूरी रह गई है। मुस्लिम ने बीआरएस का साथ छोड़कर कांग्रेस के पक्ष में वोट किया जबकि सीएम केसीआर ने सत्ता में रहते हुए मुस्लिमों के लिए बहुत सारे काम किए थे। इसके बावजूद मुसलमानों ने बीआरएस के बजाय कांग्रेस को वोट किया।

केसीआर ने अलग से आईटी-पार्क, शादी मुबारक जैसी योजना के बाद मुस्लिमों ने राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए उसी तरह से किनारे कर दिया, जिस तरह से कर्नाटक में जेडीएस को किया था। मुसलमानों का वोट एकतरफा कांग्रेस को मिला, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा से मुकाबला करने में क्षेत्रीय दल से ज्यादा कांग्रेस सक्षम होगी। इसलिए कांग्रेस को मजबूत करने की मंशा से वोट कर रहा है।

कांग्रेस ने तेलंगाना में बीआरएस को भाजपा की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही, जिसके चलते मुस्लिमों को लगा है कि बीआरएस चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसी तरह कांग्रेस ने कर्नाटक में जेडीएस को भाजपा की बी-टीम बताकर मुस्लिमों को बीच उसे कठघरे में खड़ा कर दिया था। अरविंद केजरीवाल पर भी कांग्रेस ऐसे ही सवाल खड़े करती रही है और उन्हें भाजपा की बी-टीम बताती रही। यह रणनीति कांग्रेस को फायदेमंद नजर आ रही है और मुस्लिमों का क्षेत्रीय दलों से मोहभंग हो रहा है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद कांग्रेस मुस्लिम समुदाय का भरोसा जीतने में लगातार कामयाब होती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के लिए तेलंगाना की जीत अच्छी खबर है, लेकिन सपा को टेंशन दे दी है। 2022 विधानसभा चुनावों को देखें तो उत्तरप्रदेश में मुसलमानों का एकमुश्त वोट सपा को मिला था। इसी तरह से बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पर भरोसा जताया था। मुस्लिम मतों के बदौलत ही सपा से लेकर आरजेडी और ममता तक सभी क्षेत्रीय दल सत्तासुख भोग रहे हैं। हालांकि, अब अगर मुसलमानों ने कांग्रेस में वापसी कर ली तो इन क्षेत्रीय दलों की हालत पतली हो जाएगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ट्रंप के नए कार्यकाल में मस्क, रामास्वामी की टीम बीजिंग के लिए सबसे बड़ा खतरा : चीन के सलाहकार

बीजिंग/भाषा

प्रौद्योगिकी जगत के अरबपति एलन मस्क और भारतीय मूल के उद्यमी विवेक रामास्वामी की अध्यक्षता में एक नए विभाग के साथ सरकार में आमूलचूल परिवर्तन की अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना चीन के लिए सबसे बड़ा खतरा होगी, क्योंकि उसे कहीं अधिक कुशल अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। चीन सरकार के एक नीति सलाहकार ने यह टिप्पणी की।

चीन के शीर्ष शैक्षणिक और नीति सलाहकार झेंग योंगनियान के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान चीन के लिए सबसे बड़ा खतरा मस्क और रामास्वामी द्वारा संचालित अमेरिकी सरकार में फेरबदल होगा। हांगकांग के शेनझेन परिसर में चीनी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के डीन झेंग ने शनिवार को इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स (आईआईए) द्वारा आयोजित बाइचुआन फोरम में कहा, एक अधिक कुशल अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली चीन की वर्तमान प्रणाली पर भारी दबाव डालेगी। उन्होंने कहा, बेशक, दबाव सिर्फ चीन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अन्य देशों, खासकर यूरोप तक भी है। ट्रंप ने मस्क और रामास्वामी को नए सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करने के लिए नामित किया। दोनों ने पहले ही हजारों नियमों को खत्म करने और सरकारी कार्यबल के आकार को कम करने की योजना बना ली है। झेंग ने कहा, मध्यम से दीर्घ अवधि में, चीन पर सबसे बड़ा दबाव अमेरिका के भीतर होने वाले बदलावों से आ सकता है।

झेंग ने कहा कि ट्रंप यदि सरकार में सुधार के अपने प्रयासों में सफल होते हैं, तो अमेरिका एक नई, अधिक प्रतिस्पर्धी प्रणाली विकसित करेगा, और इसे अमेरिकी विशेषताओं वाले सरकारी पूंजीवाद का एक रूप बताया। हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने रविवार को बताया कि उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, मुझे लगता है कि मस्क जैसे लोगों द्वारा जिन संस्थागत सुधारों को प्राथमिकता दी गई है, हमें उन्हें कम नहीं आंकना चाहिए। चीन अगले वर्ष 20 जनवरी से शुरू हो रहे ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए कई मोर्चों पर तैयारी कर रहा है, जिसमें अमेरिका को उसके 427 अरब डॉलर से अधिक के वार्षिक निर्यात पर 60 प्रतिशत शुल्क बढ़ाने की धमकी भी शामिल है।

ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में चीन के प्रति सख्त रुख अपनाया था। ट्रंप से ताइवान और दक्षिण चीन सागर सहित विभिन्न वैश्विक मोर्चों पर बीजिंग के खिलाफ कड़े कदम उठाने की उम्मीद है। चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा मानता है और दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना स्वामित्व होने का दावा करता है।

मैं जलवायु संकट को कर्म और धर्म के नजरिए से देखता हूं: अमिताव घोष

लंदन/भाषा। प्रसिद्ध लेखक अमिताव घोष को जलवायु परिवर्तन संकट के इर्द-गिर्द अकल्पनीय की कल्पना विषय पर उनके योगदान के लिए मंगलवार को एम्स्टर्डम के रॉयल पैलेस में एक भव्य समारोह में 'इरास्मस पुरस्कार' प्रदान किया जाएगा। घोष दक्षिण एशिया के पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।

घोष का जन्म कोलकाता में हुआ था। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे पुरस्कार के लिए चुने जाने पर ''बेहद सम्मानित'' महसूस कर रहे हैं, जिसे दशकों से चार्ली चैपलिन और इगमार बर्गमैन जैसे कलाकारों से लेकर ट्रेवर नोआ तक विभिन्न क्षेत्रों की महान हस्तियों को प्रदान किया गया है।

'प्रीमियम इरास्मियनम फाउंडेशन' ने इस पुरस्कार के लिए घोष को चुना है। घोष ने अगले सप्ताह नीदरलैंड में होने वाले पुरस्कार समारोह से पहले पीटीआई के साथ साक्षात्कार में कहा, मैं आशावाद और निराशावाद या आशावाद और निराशा के बीच के इस पूरे द्वैतवाद में बहुत विश्वास नहीं करता। मुझे लगता है कि भारतीय पृष्ठभूमि से होने के नाते मैं इन चीजों के बारे में कर्म और धर्म के संदर्भ में सोचता हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हालात चाहे कैसे भी हों यह हमारा धर्म है कि हम जो भी कर सकते हैं, करें। यह हमारा कर्तव्य है कि हम जो भी कर सकते हैं, करें और उन भयानक व्यवधानों को रोकने की कोशिश करें जो भविष्य में हमारे सामने आने वाले हैं।

पुस्तक 'द ग्रेट डिरेंजमेंट: क्लाइमेट चेंज एंड द अनथिंकेबल' के लेखक ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र अवसंरचना संधि (यूएनएफसीसी) के तहत पक्षकारों के साथ मिलकर जिस तरह से काम किया जा रहा है वह बहुत ज्यादा असरदार नहीं है। उन्होंने कहा, हम देख पा रहे हैं कि किसी प्रकार की कमी लाने या इसे सामूहिक समस्या के तौर पर देखते हुए इससे निपटने के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

निरीक्षण

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को एनडीआरएफ मुख्यालय भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए।

नाराज भारत ने 'अनुचित' जलवायु वित्त समझौते को खारिज किया

बाकू (अजरबैजान)/भाषा

भारत ने 'ग्लोबल साउथ' के लिए 300 अरब डॉलर के मामूली जलवायु वित्त पैकेज को रविवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सीओपी29 अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यालय ने उसे अपनी आपत्तियां व्यक्त करने का मौका दिए बिना ही इस समझौते को जबरन पारित करा दिया। 'ग्लोबल साउथ' का संदर्भ दुनिया के कमजोर या विकासशील देशों के लिए दिया जाता है। आर्थिक मामलों के विभाग की सलाहकार चांदनी रैना ने यहां संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के समापन सत्र में भारत की ओर से कड़ा बयान देते हुए इस प्रस्ताव को अपनाने की प्रक्रिया को ''अनुचित'' और ''पहले से प्रबंधित'' करार दिया तथा कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में भरोसे की चिंताजनक कमी को दर्शाती है।

विकासशील देशों के लिए यह नया जलवायु वित्त पैकेज या नए सामूहिक परिमाणित लक्ष्य (एनसीक्यूजी) 2009 में तय किए गए 100 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य का स्थान लेगा।

समझौते पर वार्ता के बाद जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश विभिन्न स्रोतों- सार्वजनिक और निजी, द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय तथा वैकल्पिक स्रोतों से कुल 300 अरब अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष मुहैया कराने का लक्ष्य 2035 तक हासिल करेंगे।

वित्तीय मदद का 300 अरब अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा उस 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बहुत कम है, जिसकी मांग 'ग्लोबल साउथ' देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पिछले तीन साल से कर रहे हैं।

दस्तावेज में 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा है, लेकिन इसमें सार्वजनिक और निजी सहित ''सभी कारकों'' से 2035 तक इस स्तर तक पहुंचने के लिए ''एक साथ काम करने'' का आह्वान किया गया है। इसमें केवल विकसित देशों पर ही जिम्मेदारी नहीं डाली गई है। भारत ने कहा कि जलवायु वित्त पैकेज को अपनाए जाने से पहले अपनी बात रखने के उसके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया गया।

रैना ने कहा, हमने अध्यक्ष को सूचित किया था, हमने सचिवालय को सूचित किया था कि हम कोई भी निर्णय लेने से पहले बयान देना चाहते हैं, लेकिन यह सभी ने देखा कि यह सब कैसे पहले से तय करके किया गया। हम इस घटना से बेहद निराश हैं। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि आपने क्या किया। हालांकि, हम यह कहना चाहेंगे कि पक्षकारों को बोलने से रोकने और उनकी अनदेखी करने की कोशिश करना यूएनएफसीसीसी (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा सम्मेलन) प्रणाली के अनुरूप नहीं है और हम चाहते हैं कि आप हमारी बात सुनें और इस प्रस्ताव को पारित किए जाने पर हमारी आपत्तियों को भी सुनें। हम इस पर घोर आपत्ति जताते हैं।

इस दौरान राजनयिकों, नागरिक समाज के सदस्यों और पत्रकारों से भरे कक्ष में भारतीय वार्ताकार को जोरदार समर्थन मिला। रैना ने कहा कि जलवायु परिवर्तन मानवता के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और केवल विश्वास एवं सहयोग ही जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सार्थक कार्रवाई को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा, यह सच्चाई है कि दोनों (विश्वास और सहयोग) आज काम नहीं कर रहे और हम अध्यक्ष एवं (यूएनएफसीसीसी) सचिवालय की कार्रवाइयों से बहुत आहत हैं। भारत ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के लिए 2035 तक सालाना कुल 300 अरब अमेरिकी डॉलर मुहैया कराने का जलवायु वित्त पैकेज ''बहुत कम एवं बहुत दूर की कौड़ी'' है और वह वर्तमान स्वरूप में इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता।

'भागम भाग' के सीक्वल पर काम जारी

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार, गोविंदा और परेश रावल अभिनीत सुपरहिट फिल्म भागम भाग के रिलीज़ के 18 साल बाद फिल्म का सीक्वल आने वाला है। भागम भाग के निर्माता 18 साल बाद फिल्म का सीक्वल बनाने पर विचार कर रहे हैं। शेमारू एंटरटेनमेंट द्वारा 2006 की कॉमेडी फिल्म के सीक्वल पर काम करने के बारे में अफवाहें फैली हुई हैं। तमाम अटकलों के बीच, निर्माताओं ने पुष्टि की कि वे भागम भाग 2 बना रहे हैं और फिल्म फिलहाल अपनी स्क्रिप्टिंग चरण में और 2025 के मध्य में इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है। हाल ही में रोअरिंग रिवर प्रोडक्शंस की सरिता अश्विन वर्दे ने सीक्वल बनाने के अधिकार शेमारू एंटरटेनमेंट से हासिल की हैं और वह साथ-साथ फिल्म की पटकथा पर भी काम कर रही हैं। वह शेमारू के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेंगी।

जैसा कि फिल्म की टीम ने बताया है सरिता इस बात से सहमत हैं कि उन्होंने सीक्वल को डिजाइन करने में बहुत समय लिया है, लेकिन आखिरकार यह सामने आ रहा है। उन्होंने कहा, क्योंकि भागम भाग जैसी विशेष फिल्म का सीक्वल भी उतना ही खास होना चाहिए, जब समय सही था, हमने आगे बढ़ने का फैसला किया।

शेमारू एंटरटेनमेंट के के कार्यकारी अधिकारी हिरेन गडा ने कहा, हम एक ऐसी फिल्म बनाने के लिए एक बेहतरीन टीम के साथ साझेदारी करने को लेकर उत्साहित हैं, जो अपनी पिछली फिल्म की विरासत को और भी हंसी, मस्ती और मनोरंजन के साथ जारी रखेगी।फिल्म की आधिकारिक घोषणा होने पर जल्द ही इसकी कास्टिंग पर भी फ़ैसला ले लिया जाएगा ।

अभिनेत्री मौनी रॉय, आदियोगी शिव के किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री मौनी रॉय तमिलनाडु स्थित आदियोगी शिव के दर्शन करने पहुंचीं। दर्शन के बाद अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कीं। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर मौनी रॉय ने कैप्शन में लिखा शिवोहम शिव स्वरूपहम, कृतज्ञ धन्य।

तस्वीरों में मौनी रॉय तमिलनाडु के कोयंबटूर में भगवान शिव की 112 फीट ऊंची प्रतिमा के सामने हाथ जोड़े भक्ति में डूबी नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आदियोगी शिव के दर्शन के लिए नीले रंग के सूट का चयन किया, जिसमें वह सादगी में काफी खूबसूरत लग रही हैं। आदियोगी शिव को पहले योगी के रूप में जाना जाता है। आदियोगी शिव प्रतिमा को 11 मार्च 2017 को स्थापित किया गया था। इसका निर्माण ईशा फाउंडेशन द्वारा तमिलनाडु के कोयंबटूर में करवाया गया है। प्रतिमा को आध्यात्मिक गुरु और ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने डिजाइन किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रतिमा का वजन लगभग 500 टन है।

अभिनेत्री मौनी रॉय लोकप्रिय भक्ति टीवी शो 'देवों के देव महादेव' में 2011 से 2014 तक काम कर चुकी हैं। शो में मौनी महादेव की पत्नी माता सती के किरदार में नजर आई थीं। वहीं, महादेव का किरदार मोहित रैना ने निभाया था। इस बीच मौनी रॉय के वर्कफ्रंट की बात करें तो टीवी जगत में सफल रहीं अभिनेत्री ने कई फिल्मों में भी काम किया है। मौनी ने अपने करियर की शुरुआत 2006 में टेलीविजन शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। मौनी को 'नागिन' शो से घर-घर लोकप्रियता मिली। इसके बाद वह 'देवों के देव महादेव' में सती की भूमिका और 'जुनून- ऐसी नफरत तो कैसा इश्क' में भी काम कीं। मौनी ने साल 2011 में आई पंजाबी रोमांटिक फिल्म 'हीरो हिटलर इन लव' में काम किया।

इसके बाद वह 2018 में आई फिल्म 'गोल्ड' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसका निर्देशन रीमा कागती ने किया था। फिल्म में मौनी रॉय के साथ अक्षय कुमार लीड रोल में थे। अभिनेत्री ने 'लंदन कॉन्फिडेंशियल', 'मेड इन चाइना', 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन- शिवा' और 'ब्लैकआउट' जैसी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। मौनी रॉय की अगली फिल्म 'द वर्जिन ट्री' है।

फिल्म महोत्सव

फिल्म 'हजार वेला शोले पहिलेला मानुस' की टीम रविवार को पणजी में 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में रेड कार्पेट पर फोटो खिंचवाती हुई।

विवेक अग्निहोत्री ने दिखाई 'द दिल्ली फाइल्स' की झलक, कहा- 'हर सीन दिखाता है दर्द और सच्चाई की कहानी'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री के सफल निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री 'द कश्मीर फाइल्स', 'वैक्सीन वॉर' के बाद अब 'द दिल्ली फाइल्स' लाने की तैयारी में हैं। इस घोषणा के बाद से निर्देशक अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस को अपनी आने वाली फिल्म की झलक दिखाते रहे हैं। अग्निहोत्री ने 'द दिल्ली फाइल्स' की लेटेस्ट झलक दिखाई है। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर 'द वैक्सीन वॉर' निर्देशक ने कैप्शन में लिखा, हर शॉट, हर सीन दर्द, गुस्से और सच्चाई की कहानी कहता है। जो जल्द आ रहा है, उसके लिए तैयार रहें। इसके साथ उन्होंने हैशटैग लगाते हुए 'द दिल्ली फाइल्स' लिखा। अग्निहोत्री अहम मुद्दों पर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों में 'द वैक्सीन वॉर' हो या 'द कश्मीर फाइल्स', दर्शकों को इन फिल्मों का परिचय देने की जरूरत नहीं है। इन दिनों वह अपनी अगली फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' की तैयारियों में व्यस्त हैं। इसी क्रम में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विवेकानंद की तस्वीर के साथ कुछ जली हुई किताबें और अखबार नजर आ रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने अपडेट देते हुए तस्वीरों की सीरीज शेयर की थी।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, '' 'द दिल्ली फाइल्स' अपडेट बंगाल की असली कहानी, बंगालियों की जुबानी, पिछले छह महीनों से मैं अलग-अलग शहरों और गांवों में घूम रहा हूं, लोगों से बातचीत कर रहा हूं। स्थानीय संस्कृति और इतिहास को लेकर रिसर्च कर रहा हूं। अपनी अगली फिल्म के लिए बंगाल के हिंसक इतिहास के मूल कारण को समझने की कोशिश कर रहा हूं।'' निर्देशक ने आगे लिखा, ''बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसे दो बार बांटा गया था और यह एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां आजादी से पहले और बाद में लगातार नरसंहार हुए। स्वतंत्र भारत में संघर्ष दो मुख्यधारा की राष्ट्रीय विचारधाराओं- हिंदू धर्म और इस्लाम के बीच था।'

' अग्निहोत्री ने दावा किया है कि उन्होंने ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित 100 से ज्यादा किताबें और 200 से ज्यादा आर्टिकल्स पढ़े हैं। उनकी टीम ने रिसर्च के लिए 20 राज्यों की यात्रा की। निर्देशक फिल्म को लेकर महाराष्ट्र के सेवाग्राम में महात्मा गांधी के आश्रम भी गए थे, जिसकी तस्वीरें उन्होंने शेयर की थी। 'द दिल्ली फाइल्स' का निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री और निर्माण अभिषेक अग्रवाल व विवेक मिलकर कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग पहल से जुड़ीं शर्वरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की उभरती स्टार शर्वरी, विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग पहल से जुड़ गयी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के भविष्य को गढ़ने में युवाओं की अधिक भागीदारी के आह्वान के अनुरूप, युवा मामले मंत्रालय ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के रूप में पुनःपरिकल्पित किया है। यह परिवर्तनकारी पहल भारत के युवाओं की सामूहिक क्षमता को सशक्त बनाने और उन्हें देश के विकास में समग्र रूप से योगदान देने का अवसर प्रदान करती है। 'विकसित भारत 2047' पहल का उद्देश्य 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस परिवर्तनकारी रोडमैप में समावेशी विकास, सतत प्रगति और प्रभावी शासन पर जोर दिया गया है। इस अभियान के केंद्र में भारत के युवा हैं, जो इस बदलाव के प्रमुख प्रेरक माने गए हैं। बॉलीवुड की उभरती स्टार शर्वरी, जिन्होंने 2024 में अपनी दो हिट फिल्मों मुंजा और 'महाराज' से धमाल मचाया है, शर्वरी ने इस पहल का समर्थन किया है। उन्होंने देश के युवाओं से राष्ट्र निर्माण में भाग लेने का आग्रह किया है। शर्वरी ने कहा, यह जानना बेहद सशक्त अनुभव है कि हमारे देश के युवा अपने राष्ट्र निर्माण के विचार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और विश्व के सबसे बड़े आइकन्स के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं। मुझे विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है। मैं सभी से आग्रह करती हूं कि वे भारत को दुनिया का सबसे बेहतरीन देश बनाने के लिए अपने विचार साझा करें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 25-11-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जिस प्रकार हमें हमारा जीवन प्यारा है, उसी प्रकार हर जीव को उसका जीवन प्यारा होता है। स्वार्थी व्यक्ति मात्र खुद के सुखदुःख की चिंता करता है, जबकि धर्मी व्यक्ति औरों के सुखदुःख के प्रति भी संवेदनशील होता है। जगत के सभी जीवों को जीने का समान अधिकार है। किसी के जीने के अधिकार का हनन करने से हिंसा का पाप लगता है। वैसे तो सभी धर्म अहिंसा का उपदेश देते हैं, लेकिन जैन दर्शन की अहिंसा का स्वरूप व्यापक है। कर्मबंध प्रवृत्ति पर नहीं बल्कि वृत्ति पर आधारित है।

1388वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में रविवार को 1388वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ अमित नाहर एवं विकास शर्मा के यहां एकेटी गारमेंट्स, अपाची नगर, तिरुपुर में हुआ। पाठ शाम 5 बजे गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। इस अवसर पर मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा एवं सत्संगप्रेमी विकास शर्मा, अमित नाहर, सुभाष गुप्ता, मूलचंद शर्मा, महावीर शर्मा, अनिल शर्मा, टीकम गुप्ता, मनोज, पवन, रामावतार शर्मा, हीरालाल सरोज, लखन सैन, संदीप, हरीश, सौरभ, गोपाल शाह, विष्णु बोहरा, कार्तिक, राजेंद्र, फूलचंद, गोपाल, दिलीप, भास्कर, मूर्ति आदि मौजूद थे।

सभी जीवों को जीने का है समान अधिकार : आचार्य अरिहंतसागर सूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गोडवाड भवन में रविवार को प्रवचन के दौरान आचार्य अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि जिस प्रकार हमें हमारा जीवन प्यारा है, उसी प्रकार हर जीव को उसका जीवन प्यारा होता है। स्वार्थी व्यक्ति मात्र खुद के सुखदुःख की चिंता करता है, जबकि धर्मी व्यक्ति औरों के सुखदुःख के प्रति भी संवेदनशील होता है।

उन्होंने कहा कि जगत के सभी जीवों को जीने का समान अधिकार है। किसी के जीने के अधिकार का हनन करने से हिंसा का पाप लगता है। वैसे तो सभी धर्म अहिंसा का उपदेश देते हैं, लेकिन जैन दर्शन की अहिंसा का स्वरूप व्यापक है।

उन्होंने कहा कि कर्मबंध प्रवृत्ति पर नहीं बल्कि वृत्ति पर आधारित हैं। दीक्षा जीवन एक ऐसी आचार संहिता है, जहां संपूर्ण अहिंसा की अवधारणा चरितार्थ की जा सकती है। तीर्थंकरों की यह खूबी है कि स्वयं संपूर्ण अहिंसक जीवन का पालन करके औरों को भी उसका उपदेश दिया।

आचार्य ने कहा कि जगत के सभी जीवों को सुखी करना व्यक्ति के बस की बात नहीं है, लेकिन यदि वह चाहे तो यह संकल्प अवश्य कर सकता है कि किसी को दुःखी नहीं करेगा।

जैन दीक्षा इसी संकल्प की पर्यायवाची है। इससे पहले, मुमुक्षु श्रेया कुमारी साकरिया का वर्षीदान वरघोड़ा वीवी पुरम स्थित मुमुक्षु के परिजन हस्तीमल नैनमल टीलावत परिवार के निवास स्थान से प्रारंभ होकर गोडवाड भवन पहुंचा। श्री सीमंधर-शांतिसूरि जैन संघ की ओर से मुमुक्षु का बहुमान किया गया। वरघोड़े की व्यवस्था कल्याण मित्र परिवार ने संभाली। गौरतलब है कि मुमुक्षु की दीक्षा 26 जनवरी को गुजरात स्थित सिद्धाचल महातीर्थ में आचार्य रामचंद्रसूरीश्वरजी के समुदाय में आचार्य कीर्तियशसूरीश्वरजी के हाथों संपन्न होगी।

स्नेह मिलन कार्यक्रमः रावत राजपूत समाज के उत्थान से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रावत राजपूत समाज स्नेह मिलन रविवार को गिड्डेनहल्ली गडबगेरे स्थित समाज भवन परिसर में हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्थान रावत राजपूत महासभा नवयुवक मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंह फूलाद, रामेश्वर सिंह टाडगड एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने किया। इस दौरान मां आशापुरा की आरती की गई। समारोह में समाज की गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने पर चर्चा हुई। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने राजेंद्र सिंह फूलाद का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फूलाद ने कहा कि दो हज़ार किमी दूर आकर व्यवसाय में समाज बंधुओं की उन्नति संतोष का विषय है। समाज के लोगों के बीच आकर बात करने पर गर्व की अनुभूति होती है। हमें आपसी सामंजस्य रखते हुए समाज के कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए। युवा पीढ़ी को साथ जोड़ने से समाज का भविष्य अच्छा बनेगा। कार्यक्रम में 77 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। साथ ही, बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता भी रखी गई। छोटे बच्चों को खिलौने बांटे गए। इस अवसर पर रामेश्वर सिंह, भवर सिंह, लाल सिंह, जीवन सिंह, राजू सिंह, चेन्नई अध्यक्ष रावत रत्न हजारी सिंह, हेम सिंह, अध्यक्ष हेम सिंह कोटडा, मागुसिंह, पूनम सिंह, गणेश सिंह, आनंद सिंह, जितेंद्र सिंह, यशवंत सिंह, कैलाश सिंह, पूरण सिंह, नारायण सिंह, ढकल सिंह, नारायण सिंह योगा, गोपाल सिंह, राजू सिंह मुडिया, पूरण सिंह कुराबड, नारायण सिंह भीन्डर, कालू सिंह देवीतलाव, दुर्गा सिंह, मुकेश सिंह, लादू सिंह, इंदर सिंह, लाल सिंह,हेम सिंह कोटडा, रत्न सिंह, तेज सिंह, किशन सिंह, प्रभु सिंह, प्रभु सिंह कालिकाकर, कालू सिंह, भीम सिंह, कैलाश सिंह रानजा, दीप सिंह लवासा मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश सिंह टाडगड, जसवंत सिंह एवं यशपाल सिंह ने किया।

कोयंबटूर के श्रद्धालुओं ने पुलकसागर महाराज के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर/दक्षिण भारत। कोयंबटूर के नाकोड़ा यात्री संघ के श्रद्धालुओं ने रविवार को राजस्थान के उदयपुर जिले में विराजित पुलकसागर महाराज के दर्शन किए। नाकोड़ा युवक मंडल के अध्यक्ष विकास धारीवाल, कमेटी के सदस्य दिनेश पारख एवं साथी सदस्य विक्रम चोपड़ा, नरेश मुणोत, नवरत्न सालेचा, पतंजलि योग समिति के मीडिया इकाई के प्रदेश अध्यक्ष किशोर जैन ने महाराज से आशीर्वाद लिया।

किशोर जैन ने बताया कि साल 2024 का चातुर्मास आचार्य पुलकसागर का केसरिया में हुआ और देश-विदेश से श्रद्धालु आए थे। राजस्थान के प्राचीन जैन तीर्थों में केसरिया की महत्ता उच्च स्तरीय है। इस पुण्य तीर्थ पर श्वेतांबर और दिगंबर, दोनों संप्रदाय के श्रद्धालु एकसाथ पूजन-आराधना करते हैं।

'अच्छी कोटि का पुण्य शीघ्र ही धर्म से जोड़ देता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शिवाजी नगर के गणेश बाग में विराजित विनय मुनि खींचन ने रविवार को प्रवचन में कहा कि आत्मा दो प्रकार की पुण्यानु बंधी पुण्य, पापानु बंधी पुण्य होती हैं। इनमें जिसके पास पुण्य तो है, परंतु अनीति, अन्याय से उपार्जित धन के समान उसे समझना चाहिए। ऐसे पुण्य का फल यह मिलता है कि उसे आत्म कल्याण की भावना ही नहीं जागती है। जो पुण्यानु बंधी वाला पुण्य वाले जीवों में निमित्त के मिलते ही वे आत्म कल्याण की आराधना के मार्ग में शीघ्र जुड़ जाते हैं। उनके जीवन में अन्तराय - असाता - अशुभ - दुर्भाग्य का आना नहीं होता हैं। वे दान - धर्म - अनुकम्पा - सात्विक और अहिंसा पर्मो धर्म के आधार से पूर्व जीवन जी कर आए हैं। विनय मुनि खींचन ने कहा कि पूर्व भव की उत्तम आराधना ही इस मानव भव में पुण्यानु बंधी पुण्य (भरत चक्री जैसे) का संचय लेकर आती हैं। अन्याय, अनीति, अधर्म से सदैव दूर रहते हैं। निमित्त मिलते ही वे जाग्रत आत्मा आत्म धर्म अध्यात्म मार्ग में लग जाते हैं। पापनु बंधी पुण्य वाले होते हैं, वे अपने जीवन को धर्म से दूर और इंद्रियों और कषायों इन दोनों में ही अपने जीवन को सुखी मानते हैं।

उन्होंने कहा कि जैसे अन्याय, अनीति से कमाया पैसा सही रास्ते जाना बहुत मुश्किल है, वैसे ही उनकी कोटि का पुण्य भी जीवन को सफल बनाने में विशेष सहयोग नहीं करता है। जैसे आकड़े की लकड़ी और चंदन की लकड़ी में फर्क है, वैसे ही पुण्य-पुण्य में फर्क है। हल्की कोटि का पुण्य धर्म से दूर रखता है और अच्छी कोटि का पुण्य शीघ्र ही धर्म से जोड़ देता है।

इस अवसर पर भारती नगर से महावीर प्रवीण लोढ़ा, पवन भंडारी, कमल सुराणा ,अक्षत बोथरा, वीवी पुरम से एस दिलीप कुमार पगारिय, विजय विशाल बाफना, कम्नहल्ली से सुभाष चंद्र सिंघवी, लिंगराजपुरम से सुराणा परिवार, कन्नूर से विनय झाबख, रमेश चोरडिया, हरलुर से उषा जैन, व्हाइट फील्ड से ललिता बाई चोरडिया, शांति नगर से चंद्राबाई सिंगी, गुड़ियातम पदमा बाई सिंगी तथा बेंगलूरु के अनेक श्रद्धालु मौजूद थे। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपत राज मांडोत ने आभार व्यक्त किया। पच्चीस नवंबर को भगवान महावीर का दीक्षा कल्याणक दिवस सुबह 9 बजे से 10:15 बजे तक गुणानुवाद रूप में मनाया जाएगा। दो-दो समय का विशेष आयोजन रखा गया है।

निशुल्क बीपी और शुगर टेस्ट कैंप का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर केंगेरी की ओर से केंगेरी सेटेलाइट टाउन पार्क में निशुल्क बीपी और शुगर टेस्ट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप की शुरुआत सामूहिक नवकार मंत्र के उच्चारण से की गई। पार्क में आए लोगों को एटीडीसी में टेस्टिंग के बारे में जानकारी दी गई। साथ में एटीडीसी के ब्राउचर्स भी बांटे गए। लगभग 90 लोगों ने इस कैंप का लाभ लिया।

लोगों ने केंगेरी में एटीडीसी की शुरुआत करने पर होने वाले लाभ के लिए तेरापंथ युवक परिषद, आरआर नगर की सराहना की। इस कैंप के प्रायोजक स्व. कमल सिंह पगारिया की पुण्य स्मृति में अमित पगारिया परिवार, लाडनूं थे। इस अवसर पर मंत्री सुपार्श पटावरी, निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़, कोषाध्यक्ष गौतम नाहटा, एटीडीसी टीम से सुशील भंसाली, महेश मांडोत एवं महावीर दक भी मौजूद थे।

रक्तदान शिविर का आयोजन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। करुणादा हौयसला सैनी द्वारा विजयनगर मारुति मंदिर के निकट रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। एकत्रित रक्त का संग्रहण लायंस ब्लड बैंक ने किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रक्तदान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

जिनदत्त कुशल सूरी सेवा मंडल ने गौशाला और वृद्धाश्रम में सेवा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गत दिनों संपन्न तृतीय दादा गुरुदेव श्रीजिन कुशल सूरी की 744वीं जन्म तिथि निमित्त जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल, बसवनगुडी द्वारा 25वें रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों के अंतर्गत नंदी गौशाला और गांधी वृद्धाश्रम में मंडल के सदस्यों द्वारा सेवाएं दी गईं।

मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि सदस्यों ने प्रातः नंदी गौशाला में गौवंश को हरे चारे का आहार करवाया। उसके बाद गांधी ओल्ड एज होम में वृद्धजन को नाश्ता और भोजन करवाया। उनके साथ कुछ पल बिताए।

इस अवसर पर मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, महामंत्री ललित डाकलिया, सहमंत्री धर्मेंद्र संकलेचा के साथ संकेत डागा, कुनाल मरलेचा, राजेंद्र कोठारी, गिरीश बोहरा, राजा बाबू पारख, रिद्धिम छाजेड़, वरुण संकलेचा, हितांश श्रीश्रीमाल आदि सदस्य मौजूद थे। अध्यक्ष अरविंद कोठारी ने सबका आभार जताया।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट ब्रांच ने 'संडेज़ इन फनवेज़' के तहत आयोजन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट ब्रांच ने रविवार को 'संडेज़ इन फनवेज़' सीरीज़ के अंतर्गत टीपीएफ कनेक्ट एंड कॉलेबोरेशन 2024 का आयोजन स्पोर्टिंगो, आरआर नगर में किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। इसके बाद टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट के अध्यक्ष ललित बेगानी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने सदस्यों को आगामी टीपीएफ इवेंट्स के बारे में जानकारी दी और अधिकाधिक संख्या में जुड़ने की प्रेरणा दी। इसके बाद सदस्यों ने अपना परिचय दिया और अपने इंटरेस्ट्स और हॉबीज़ साझा किए, जिससे आपसी जुड़ाव और नेटवर्किंग का माहौल बना। दक्षिण ज़ोन अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने टीपीएफ की विभिन्न परियोजनाओं और उद्देश्यों के बारे में जानकारी साझा की। दक्षिण ज़ोन मंत्री भरत भंसाली, दक्षिण ज़ोन पूर्व मंत्री श्रवण सियाल और टीपीएफ उपाध्यक्ष संजय मालू ने कार्यक्रम को प्रेरणादायक बनाया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण खेलकूद का आयोजन रहा, जिसमें टीपीएफ के मंत्री कौशल खटेड ने अपने अनोखे अंदाज में कमेंट्री की। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और आयोजन में हास्य और जोश का समावेश किया। इस आयोजन को सफल बनाने में टीपीएफ के कोषाध्यक्ष आशुतोष नाहर, सहमंत्री दीक्षा जैन, संयोजक विशाल जैन और निहाल बैद की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। आयोजन में 50 से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया। सभी सदस्यों ने खेलकूद का आनंद लिया और रविवार को यादगार बनाया।

संगीतमय मंगल पाठ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। डोमलूर स्थित राणी शक्ति फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को राणी सती मंदिर प्रांगण में मंगसिर नवमी के उपलक्ष्य में संगीतमय मंगल पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भक्ति का आनंद लिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

किसानों को निर्धारित समय पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें : नागर

झालावाड़। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने रविवार को खण्डिया पावर हाऊस कॉन्फ्रेन्स हॉल में विद्युत विभाग तथा परवन वृहद सिंचाई परियोजना के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यो की समीक्षा की। बैठक में ऊर्जा राज्य मंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में विद्युत तंत्र को मजबूत कर बिना किसी व्यवधान के किसानों एवं आमजन को विद्युत क्षेत्र में व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप विद्युत विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी तत्परता से कार्य करते हुए झालावाड़ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। इस दौरान श्री नागर ने किसानों को निर्धारित समय अनुसार दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति के समय विशेष परिस्थितियों को छोड़कर शट डॉउन नहीं किया जाए।

उन्होंने झालावाड़ में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को बदलने के सख्त निर्देश देते हुए जले हुए एवं खराब ट्रान्सफार्मर को 24 से 72 घण्टों में बदलने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रान्सफार्मर बदलने के लिए लिफ्टर के स्थान पर अन्य वैकल्पिक साधन ट्रैक्टर आदि का उपयोग प्रारंभ करें।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.